लखनऊ

सोमवार, 4 नवम्बर, 2024

वर्ष : 10 । अंक: 113

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

जीवन में कामयाब होने के लिए अच्छे मित्रों की जरूरत होती है परंतु ज्यादा कामयाब होने के लिए अच्छे शत्रुओं की जरूरत होती है।

TODAY WEATHER

DAY 33° Hi

NIGHT 27° Low

संक्षेप

बांग्लादेश का वो संत, जिसने लाखों हिंदुओं को कर दिया एकजुट, अब यूनुस सरकार के कांप रहे पांव

ढाका। मोहम्मद यूनुस के बांग्लादेश में पहले हिंदुओं पर अत्याचार किए गए गए. अब हिंदू धर्मगुरु इस आतंक के निशाने पर हैं। बांग्लादेश के चांदगांव में ISKCON मंदिर के पुजारी चिन्मय कृष्ण दास के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा दर्ज किया गया है। ये केस दर्ज कराया है खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी के एक नेता ने। आरोप ये कि चिन्मय कृष्ण दास ने बांग्लादेशी झंडे का अपमान किया है और केस सिर्फ चिन्मय कृष्ण दास पर नही बल्कि 19 लोगों पर देशद्रोह का मुकदमा लगाया गया है। जानते है बांग्लादेश में देशद्रोह के लिए सजा क्या है? सजा है उम्रकैद और सजा ए मौत। चिन्मय कृष्ण दास पर राष्ट्रद्रोह के केस के बाद बांग्लादेश का हिंदू ना सिर्फ सड़कों पर है बल्कि बांग्लादेश के कट्टरपंथी गैंग को जवाब देने के लिए तैयार भी है। जिस बांग्लादेश में कुछ दिन पहले तक...हिंदू व्यापारियों से जजिया जैसा टैक्स मांगा जा रहा था। हिंदुओं की संपत्तियों को कब्जाया जा रहा था... उस बांग्लादेश की सड़कों पर आज जय श्रीराम और हर हर महादेव का जयकारा लग रहा है। धर्मगुरु चिन्मय कृष्ण दास को झूठे मुकदमे में फंसाए जाने का विरोध करता हिंदू समुदाय सड़कों पर आ गया है। नारे लगाए जा रहे हैं और दावा किया जा रहा है। कट्टरपंथियों और उनके पीछे खड़े सरकारी सिस्टम को जवाब दिया जाएगा।

मेरी मां ने मुझे और मेरी बहन को हमारी विरासत की सराहना और सम्मान करना सिखाया: कमला हैरिस

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार एवं उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने शनिवार को प्रकाशित एक लेख में बचपन में की गईं भारत की अपनी यात्राओं और कैंसर का इलाज करने के अपनी मां के मिशन को याद किया। हैरिस ने दक्षिण एशियाई के ऑनलाइन प्रकाशन 'द जगरनॉट' में प्रकाशित एक लेख में कहा, ''जब मैं और मेरी बहन बड़े हो रहे थे, तब मेरी मां ने हमें हमारी विरासत की सराहना और सम्मान करना सिखाया। हम लगभग हर दूसरे साल दिवाली के मौके पर भारत जाया करते थे। हम अपने दादा-दादी और अन्य रिश्तेदारों के साथ समय बिताते थे।'' उन्होंने कहा, ''और उपराष्ट्रपति के तौर पर मेरे आवास (उपराष्ट्रपति के सरकारी आवास) पर दिवाली समारोह का आयोजन किया जाना मेरे लिए सम्मान की बात रही है। इसका मकसद न केवल अवकाश मनाना है बल्कि दक्षिण एशियाई अमेरिकी प्रवासियों के समृद्ध इतिहास, संस्कृति और विरासत का जश्न मनाना है।'' राष्ट्रपति पद के लिए पांच नवंबर को होने वाले चुनाव से तीन दिन पहले प्रकाशित अपने लेख में हैरिस ने कहा कि 19 साल की उम्र में उनकी मां श्यामला हैरिस भारत से अमेरिका आईं। उन्होंने लिखा, ''मेरी मां के जीवन के दो लक्ष्य थे: पहला-अपनी दो बेटियों- मेरा एवं मेरी बहन माया का पालन पोषण करना तथा दूसरा स्तन कैंसर का इलाज करना।'' राष्ट्रपति चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि अमेरिका के लोग एक ऐसा राष्ट्रपति चाहते हैं जो सभी अमेरिकियों के लिए काम करे।

'हेमंत मुगालते में हैं', अमित शाह ने चंपाई के भाजपा में शामिल होने को लेकर किया बड़ा खुलासा

घाटशिला। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा- 'हेमंत सोरेन मुगालते में हैं कि भाजपा उन्हें हटाने के लिए चुनाव लड़ रही है।' उन्होंने कहा- भाजपा हेमंत सोरेन को हटाने के लिए चुनाव नहीं लड़ रही है, भाजपा यहां परिवर्तन लाने के लिए चुनाव लड़ रही है। परिवर्तन से मतलब है- यहां पर गरीबों का पैसा खाने वाली हेमंत सोरेन की सरकार को बदल दिया जाए।' अमित शाह रविवार को घाटशिला में बीजेपी प्रत्याशी के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। बीजेपी ने घाटशिला से पूर्व सीएम चंपाई सोरेन के पुत्र बाबूलाल सोरेन को उम्मीदवार बनाया है।

अमित शाह ने चंपाई सोरेन के बीजेपी में शामिल होने को लेकर बड़ा खुलासा किया। उन्होंने कहा कि जब भ्रष्टाचार के मामले में हेमंत सोरेन जेल गए, तो चंपाई सोरेन को मुख्यमंत्री बनाया गया, लेकिन अचानक चंपाई सोरेन को पद से हटाकर आदिवासियों का अपमान किया गया। वहीं बांग्लादेशी घुसपैठिए के कारण संताल परगना की पूरी डेमोग्राफी बदल रही थी। ऐसे में चंपाई सोरेन ने बीजेपी में शामिल होने का फैसला लिया, ताकि झारखंड के आदिवासियों-मूलवासियों के मान-सम्मान की रक्षा की जा सके।

बीजेपी की सरकार बनी तो घुसपैठियों को बाहर करेंगे

अमित शाह ने कहा-' पूरे झारखंड में आदिवासियों की आबादी घट रही है, क्योंकि यहां बांग्लादेशी घुसपैठिए आ रहे हैं। हेमंत सोरेन सरकार ने हाई कोर्ट में हलफनामा दायर कर कह दिया कि 'हम (जेएमएम सरकार) घुसपैठ रोकना नहीं चाहते हैं।' चंपई सोरेन ने इसी का विरोध किया और जेएमएम छोड़कर भाजपा में शामिल हुए। आप यहां भाजपा की सरकार बना दो, हम घुसपैठियों को झारखंड से बाहर निकाल देंगे।'

घुसपैठिए के नाम जमीन ट्रांसफर नहीं होगी

अमित शाह ने कहा- 'घुसपैठिए झारखंड में हमारी आदिवासी बहन बेटियों को फुसला कर शादी कर लेते हैं और भेंट में इनकी जमीन हड़प लेते हैं। हम आपसे वादा करते हैं, हम ऐसा कानून लाएंगे कि आदिवासियों की जमीन किसी घुसपैठिए के नाम ट्रांसफर नहीं होगी और जिन्होंने हड़पी है, उन्हें भी वापस देनी पड़ेगी।'

यूसीसी को लेकर जेएमएम-कांग्रेस पर अफवाह फैलाने का आरोप

बीजेपी के स्टार प्रचारक अमित शाह ने कहा- 'हेमंत सोरेन सरकार ने नक्सलियों को खुली दी थी, और नक्सली यहां सड़क नहीं बनने देते थे। आदिवासियों के घर में बिजली, पानी नहीं आने देते थे और शौचालय नहीं बनने देते थे। मोदी सरकार ने नक्सलवाद को समाप्त किया है। ये (जेएमएम-कांग्रेस) अफवाह फैला रहे हैं कि यूसीसी लागू होने से आदिवासियों के कानून और संस्कृति समाप्त हो जाएगी।'

अमित शाह ने कहा- 'आज मैं यहां कह कर जाता हूं कि झारखंड में यूसीसी लागू होगा, लेकिन आदिवासियों पर लागू नहीं होगा। आदिवासियों की संस्कृति और उनके कानून की सुरक्षा मोदी सरकार करेगी।'

श्री केदारनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद

श्री केदारनाथ धाम। विश्व प्रसिद्ध ग्यारहवें ज्योर्तिलिंग श्री केदारनाथ धाम के कपाट रविवार को भैया दूज के पावन पर्व पर प्रातः 08:30 बजे शीतकाल के लिए बंद हो गए।

ऊं नम शिवाय, जय बाबा केदार के जय घोष तथा भारतीय सेना के बैंड की भक्तिमय धुनों के बीच वैदिक विधि-विधान और धार्मिक परंपराओं के साथ कपाट बंद किए गए। श्री बदरीनाथ- केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) अध्यक्ष अजेंद्र अजय समेत 15 हजार से अधिक श्रद्धालु कपाट बंद होने के साक्षी बने। मंदिर को दीपावली के दिन से ही भव्य रूप से फूलों से सजाया गया था ।

श्री अजय की उपस्थिति में रविवार प्रातः पांच बजे कपाट बंद करने की प्रक्रिया शुरू हुई। बीकेटीसी के आचार्य, वेदपाठियों, पुजारीगणों ने भगवान केदारनाथ के स्वयंभू शिवलिंग की समाधि पूजा की। स्वयंभू शिवलिंग को भस्म, स्थानीय पुष्पों बेल पत्र आदि से समाधि रूप दिया गया। प्रातः 08:30 बजे बाबा केदार की पंचमुखी उत्सव डोली को मंदिर से बाहर लाया गया इसके बाद श्री केदारनाथ मंदिर के कपाट बंद कर दिए गए।

कपाट बंद होने के साथ ही बाबा केदार की पंचमुखी उत्सव डोली ने अपने पहले पड़ाव रामपुर के लिए प्रस्थान किया। हजारों श्रद्धालु बाबा की पंचमुखी डोली के साथ पैदल ही रवाना हुए। श्रद्धालुओं के लिए जगह – जगह भंडारे आयोजित किये गये थे। आज केदारनाथ में मौसम साफ रहा। आस-पास बर्फ होने से सर्द बयारें भी चलती रही लेकिन श्रद्धालुओं में भारी उत्साह रहा। कपाट बंद होने के अवसर पर श्री अजय ने कहा कि इस यात्राकाल में रिकार्ड साढ़े 16 लाख से अधिक तीर्थ यात्री श्री केदारनाथ धाम पहुंचे।

झारखंड में नहीं लागू किया जाएगा यूसीसी, अमित शाह की घोषणा पर हेमंत सोरेन का पलटवार

रांची। झारखंड में समान नागरिक सहिंता (यूसीसी) लागू करने की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की घोषणा के कुछ ही देर बाद रविवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पलटवार करते हुए कहा कि राज्य में न तो यूसीसी और न ही राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू की जाएगी। सोरेन ने जोर देकर कहा कि झारखंड आदिवासी संस्कृति, भूमि और अधिकारों की रक्षा के लिए केवल छोटानागपुर काश्तकारी (सीएनटी) और संथाल परगना काश्तकारी (एसपीटी) अधिनियमों का पालन करेगा।

गढ़वा में एक रैली में सोरेन ने कहा, 'यहां न तो समान नागरिक संहिता लागू की जाएगी और न ही एनआरसी। झारखंड पूरी तरह से छोटानागपुर काश्तकारी और संथाल परगना काश्तकारी अधिनियमों का पालन करेगा।

सीएम योगी को धमकी देने वाली महिला मुंबई से अरेस्ट : लिखा था- इस्तीफा नहीं दिया तो बाबा सिद्दीकी जैसा हाल करेंगे

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी दी गई थी। मुंबई ट्रैफिक कंट्रोल रूम को एक मैसेज आया था जिसमें लिखा था, 'योगी आदित्यनाथ 10 दिन में इस्तीफा दें, वरना बाबा सिद्दीकी जैसा हाल कर देंगे'। इस धमकी भरे मैसेज के बाद से ही मुंबई पुलिस एक्टिव हो गई और एटीएस को जानकारी दी गई। अब एटीएस ने जांच में बड़ा खुलासा किया है।

एटीएस ने जांच में पाया है कि योगी आदित्यनाथ को धमकी देने वाली महिला ठाणे के उल्हासनगर की रहने वाली है और उसका नाम फातिमा है। सूत्रों की मानें तो आरोपी फातिमा मानसिक तौर पर अस्थिर है।

मामला संज्ञान में आते ही एटीएस ने सबसे पहले नंबर के जरिए महिला को ट्रेस किया और उसकी लोकेशन पता की। महिला की लोकेशन उल्हासनगर में पाई गई। इसके बाद एटीएस की एक टीम महिला के घर पहुंची और वहां पूछताछ की गई। इसके बाद आरोपी महिला को पुलिस स्टेशन लाया गया और वहां और सवाल पूछे गए। एटीएस ने यह सारी जानकारी वर्ली पुलिस को दी।

आरोपी महिला का होगा मेंटल चेकअप

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, महिला की शिनाख्त हो गई है और उसका नाम फातिमा खान बताया गया है। वर्ली पुलिस महिला को मुंबई लेकर आई। महिला को गिरफ्तार नहीं किया गया है। पूछताछ करने के बाद उसे नोटिस दिया गया है। अब महिला के मानसिक स्थिति की जांच के लिए उसका मेंटल चेक अप भी कराया जाएगा।

दी थी बाबा सिद्दीकी जैसा हाल होने की धमकी

मुंबई पुलिस को अज्ञात नंबर से जो मैसेज आया था, उसमें लिखा था कि योगी आदित्यनाथ अगर सीएम पद से इस्तीफा नहीं देंगे तो उनका हाल बाबा सिद्दीकी जैसा कर दिया जाएगा। मालूम हो, दशहरा की रात एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। तब तीन हमलावर उन पर गोली चलाकर फरार हो गए थे। बाबा सिद्दीकी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। लॉरेंस बिश्नोई की गैंग ने इस हत्या की जिम्मेदारी ली थी।

अपराधियों ने उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था का शटर और लाकर सब तोड़ दिया है : अखिलेश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अतिभ्रष्ट शासन के चिराग के नीचे भ्रष्ट प्रशासन का अंधेरा ही नहीं, पूरी अंधेरगर्दी है। अपराधियों ने उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था का शटर और लाकर सब तोड़ दिया है। पुलिस की एफआईआर पुलिस के खिलाफ दर्ज हो रही है। पत्रकार और फौजी सभी भाजपा राज में अपमानित और हिंसक व्यवहार के शिकार हो रहे है।

उत्तर प्रदेश में जनता देख रही है कि किस तरह हर शहर, गली, मोहल्ले में जमीनों पर कब्जे, प्लाटिंग, रंगदारी-वसूली में भाजपाई लोग संलिप्त हैं। हर अपराध और गोरखधंधे के पीछे शासन से नालबद्ध संबंध रखने वाले भाजपा के ही गुर्गे हैं। बस्ती में भाजपा नेता के बेटे ने पड़ोसी को बीएमडब्लू कार से कुचल दिया, मौत। फिरोजाबाद में मामूली विवाद के बाद भाजपा नेता ने युवक पर कार चढ़ाने की कोशिश की। सत्ता के नशे में चूर भाजपाई कार से कुचलकर निर्दोषो की हत्या कर रहे हैं। भाजपा सरकार ने अपनी बेईमानी में पुलिस को पार्टनर बना लिया है और जो पुलिसवाले ईमानदारी-जिम्मेदारी से काम करना चाहते हैं, उन्हें केंद्रीय भूमिका से दूर भेजकर साइड लाइन कर दिया गया है।उत्तर प्रदेश में अस्थायी पुलिस प्रमुख होने की वजह से जुर्म स्थायी हो गया है। पचासों पायदान नीचे के कनिष्ठों को वरिष्ठ पदों पर बैठाकर अच्छे पुलिस अधिकारियों से पदोन्नति के अवसर छीनकर उनका मनोबल तोड़ा गया है, इसीलिए उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था की इतनी दुर्गत अवस्था है।वैसे भी भाजपा की सरकार और अपराधियों में एक अजीब सा सम्बन्ध है। एक तरफ दोनो साथ-साथ हैं, तो वहीं दूसरी तरफ सरकार जितनी कमजोर और निष्क्रिय होती जा रही है, अपराधी उतने ही ताकतवर और सक्रिय होते जा रहे है। उत्तर प्रदेश की राजधानी में तो इधर पुलिस हिरासत में मौतों का रिकॉर्ड ही टूट गया है। मुख्यमंत्री कानून व्यवस्था के नियंत्रण के मामले में पूरी तरह फेल साबित हो चुके है। उनके संरक्षण में अपराधियों के हौसले बुलंद, दलित, पिछड़ों के विरूद्ध अपराध बढ़ रहे है। अभी जौनपुर में एक युवा खिलाड़ी की तलवार से निर्मम हत्या कर दी गई। भाजपा राज में नौजवानों का भविष्य अंधेरे में है। किसान को उनकी फसल का लागत मूल्य भी नहीं मिल रहा है। महिलाएं कहीं सुरक्षित नहीं है। समाज का हर वर्ग परेशान-निराश है।

भारत ने चीन सीमा पर मजबूत की पकड़, बनाई देश की सबसे ऊंची हवाई पट्टी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने चीन सीमा पर अपनी सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करते हुए लद्दाख में देश की सबसे ऊंची हवाई पट्टी का निर्माण किया है। यह एयरफील्ड पूर्वी लद्दाख के मुढ़-न्योमा क्षेत्र में स्थित है और यह चीन की सीमा के काफी करीब है। इस नए एयरफील्ड के बनने से भारतीय सेना को सीमा पर तेजी से मूवमेंट करने में आसानी होगी और साथ ही यह क्षेत्र में भारत की रणनीतिक स्थिति को भी मजबूत करेगा। यह एयरफील्ड करीब 13,700 फीट की ऊंचाई पर स्थित है और इसमें तीन किलोमीटर लंबा रनवे है।

यह एयरफील्ड चार साल पहले गलवान घाटी में भारत और चीन के बीच हुए तनाव के बाद से भारतीय सेना की प्राथमिकता रही है।

श्रीनगर के संडे मार्केट में ग्रेनेड ब्लास्ट, 12 घायल

हमलों से परेशान हूं, कल यहीं सेना ने एक आतंकी को मार गिराया था: उमर

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में श्रीनगर के टूरिस्ट रिसेप्शन सेंटर के नजदीक संडे मार्केट में रविवार को ग्रेनेड ब्लास्ट हुआ। इसमें 12 लोग घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद हमलावरों को पकड़ने के लिए पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई। घायलों की संख्या बढ़ सकती है।

श्रीनगर में पिछले 2 सालों में यह दो दिन में दूसरी आतंकी वारदात है। 2 नवंबर को खान्यार इलाके में सेना और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। एक घर में 2 से 3 आतंकी छिपे थे। सेना ने घर को बम से उड़ा दिया। इसमें एक पाकिस्तानी आतंकी मारा गया था। घटनास्थल से आतंकी की बॉडी और गोला-बारूद बरामद किए गए। हालांकि इस मुठभेड़ में 4 जवान भी घायल हुए थे।

शनिवार को अनंतनाग में भी सुरक्षाबलों ने एनकाउंटर में 2 आतंकियों को भी ढेर किया था। एक की पहचान जाहिद राशिद के रूप में हुई। वहीं दूसरा अरबाज अहमद मीर था। दोनों को पाकिस्तान से ट्रेनिंग मिली थी।

CM अब्दुल्ला बोले- निर्दोषों पर हमले का कोई औचित्य नहीं घटना पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा, 'पिछले कुछ दिनों से घाटी के कुछ हिस्सों में हमलों और मुठभेड़ की खबरें सुर्खियों में हैं। श्रीनगर के संडे मार्केट में निर्दोष दुकानदारों पर ग्रेनेड हमले की आज की खबर बेहद परेशान करने वाली है। निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाने का कोई औचित्य नहीं हो सकता। सुरक्षा तंत्र को जल्द से जल्द लगातार हो रहे हमलों को रोकने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए ताकि लोग बिना किसी डर के अपना जीवन जी सकें।

फारूक बोले थे- आतंकी को मारा न जाए, उन्हें गिरफ्तार करें नेशनल कॉन्फ्रेंस के चीफ फारूक अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा था- जम्मू-कश्मीर में सरकार बनने से पहले आतंकी हमलों में तेजी क्यों नहीं आई। इसकी जांच होनी चाहिए कि यह कौन कर रहा है। अब्दुल्ला ने कहा कि श्रीनगर के खान्यार में मौजूद आतंकी को मारा नहीं जाना चाहिए, बल्कि उन्हें गिरफ्तार करना चाहिए, ताकि पता लगाया जा सके कि क्या उमर सरकार को अस्थिर करने का काम किसी एजेंसी को सौंपा गया है। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद फल-फूल रहा था। आतंकवाद अपने सबसे निचले स्तर पर था, इसलिए मैं जांच की मांग कर रहा हूं।

बहन का चुनाव प्रचार करने वायनाड पहुंचे राहुल गांधी: बोले- अब प्रियंका आपकी बहन, बेटी और मां भी, 13 नवंबर को वोटिंग होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। राहुल गांधी आज वायनाड लोकसभा उपचुनाव के लिए बहन प्रियंका गांधी के लिए चुनाव प्रचार करने। जहां प्रियंका ने मोदी सरकार पर निशाना लगाते हुए कहा- 'मोदी जी का मकसद आपको बेहतर जीवन देना, नई नौकरियां, बेहतर स्वास्थ्य या शिक्षा देना नहीं है। वे बस किसी भी तरह से सत्ता में बने रहना चाहते हैं।'

प्रियंका के लिए वोट अपील करते हुए राहुल ने कहा कि मैं पहली बार अपनी बहन के लिए प्रचार करने आया हूं, अब तक वही मेरे लिए प्रचार करती थी। मै जब यहां सांसद रहा तो आपकी बहन, बेटी या मां नहीं बन सका। लेकिन अब मेरी बहन ये तीनों भूमिकाएं निभाएंगी।

राहुल शाम 4 बजे अरीकोडे में भी एक जनसभा करेंगे। इसके बाद प्रियंका गांधी वलाड, कोरोम, थरियोडे कलपेट्टा में भी 3 मीटिंग करेंगी। प्रियंका गवायनाड से यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रही हैं। यह वही सीट है, जिसे राहुल गांधी ने छोड़ा था।

लोकसभा चुनाव 2024 में राहुल गांधी ने वायनाड और यूपी की रायबरेली लोकसभा सीट से जीत हासिल की थी। उन्होंने गांधी परिवार की पारंपरिक रायबरेली सीट को चुना था। वायनाड में प्रियंका का मुकाबला भाजपा की नव्या हरिदास और वामपंथी उम्मीदवार सत्यन मोकेरी से है।

संविधान गुस्से या नफरत से नहीं लिखा गया था। इसे उन लोगों ने लिखा था जिन्होंने अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी, जिन लोगों ने कष्ट झेले, जिन्होंने सालों-साल जेल में बिताए और उन्होंने संविधान को विनम्रता, प्रेम और स्नेह के साथ लिखा।

यह आत्मविश्वास और असुरक्षा के बीच की लड़ाई है। और अगर आप वाकई इस लड़ाई को जीतना चाहते हैं, तो आपको अपने दिल से गुस्सा निकालकर, नफरत को हटाकर और उसकी जगह प्यार, विनम्रता और करुणा लाकर मदद करनी चाहिए।

पिता राजीव गांधी की हत्या में शामिल लड़की नलिनी से मिलने के बाद वह भावुक हो गई थीं। उसने मुझसे कहा था कि उसे नलिनी के लिए बुरा लग रहा है। यही तालीम उसे मिली है। मेरे हिसाब से, भारत में नफरत की राजनीति नहीं, बल्कि प्यार और स्नेह की राजनीति की जरूरत है।

नामांकन भरते समय कहा था- पहली बार अपने लिए समर्थन मांग रही प्रियंका ने 23 अक्टूबर को वायनाड सीट के लिए नामांकन दाखिल किया था। इस दौरान उन्होंने कहा था- जब मैं 17 साल की थी, तब मैंने पहली बार पिता के लिए 1989 में कैंपेन किया था। तब से इन 35 साल के दौरान मां, भाई के लिए वोट मांगें। अब पहली बार खुद के लिए समर्थन मांग रही हूं।

राहुल गांधी ने भी कहा था कि वायनाड देश का ऐसा क्षेत्र है जहां से 2 सांसद हैं। एक आधिकारिक सांसद और दूसरा अनौपचारिक सांसद। दोनों वायनाड के लिए काम करेंगे।

राहुल ने कहा था- वायनाड का दौरा करता रहूंगा 17 जून को वायनाड सीट छोड़ते वक्त राहुल ने कहा था- वायनाड और रायबरेली से मेरा भावनात्मक रिश्ता है। मैं पिछले 5 साल से वायनाड से सांसद था। मैं लोगों को उनके प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। प्रियंका गांधी वाड्रा वायनाड से चुनाव लड़ेंगी, लेकिन मैं समय-समय पर वायनाड का दौरा भी करूंगा। मेरा रायबरेली से पुराना रिश्ता है, मुझे खुशी है कि मुझे फिर से उनका प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा, लेकिन यह एक कठिन निर्णय था।

घरेलू वायु प्रदूषण से गर्भवती को डायबिटीज का खतरा : अध्ययन

नई दिल्ली। उत्तर भारत में वायु प्रदूषण का प्रकोप जारी है, ऐसे में एक नए अध्ययन से पता चला है कि खाना पकाने और गर्म करने के लिए कोयला या फिर लकड़ी जैसे ठोस ईंधन का उपयोग करने से जेस्टेशनल डायबिटीज का खतरा काफी बढ़ सकता है।

जेस्टेशनल डायबिटीज (जीडीएम) गर्भावस्था के दौरान होने वाली आम दिक्कत है। जीडीएम से पीड़ित महिलाओं में गर्भावस्था के प्रतिकूल परिणामों और भविष्य में मधुमेह का खतरा अधिक होता है।

जन्म लेने वाले बच्चों में बचपन में मोटापा और टाइप 2 मधुमेह का दीर्घकालिक जोखिम भी होता है।

चीन में जुनी मेडिकल यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन में 4,338 महिलाओं को शामिल किया गया था, जिनकी औसत आयु 27 वर्ष थी।

कार्यकर्ताओं के दम पर जीत का कमल खिलेगा: केशव प्रसाद मौर्य

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी गंगापार के फूलपुर विधानसभा उपचुनाव में बूथ स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन छत्रपति शिवाजी डीग्री कालेज सहसो में उपस्थित कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र देते हुए मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री, प्रयागराज विकास पुरुष केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि 2014 से 2024 तक भारतीय जनता पार्टी का एक नारा सदैव लगाया जाता रहा है बूथ जीता तो चुनाव जीता बूथ विजय का संकल्प लेकर चुनाव तक कड़ी मेहनत और परिश्रम की पराकाष्ठा की निरन्तर परीक्षा बूथ अध्यक्ष सहित भारतीय जनता पार्टी के नीति रीति से प्रभावित कार्यकर्ता से 2014 मे 2024 तक के चुनाव में विजय श्री दिलाकर केन्द्र में मोदी प्रदेश में योगी जी के नेतृत्व वाली सरकार बनाने का काम किया है। और हमें विश्वास है कि

फूलपुर विधानसभा के उपचुनाव में कार्यकर्ता अपने बल पर जीत का कमल खिलाएगे और उन्होंने आगे कहा कि 2014 व 2017 के पूर्व वाली सरकार से वर्तमान सरकार की तुलना में अधिक विकास दिख रहा है। 3 करोड़ लोगों को पी एम आवास अब तक मिल चुका है और मोदी जी का फैंसला है कि अब कोई भी व्यक्ति बिना घर के नहीं रहेगा घर ही नहीं घर के साथ शौचालय भी मिलेगा।घर के साथ आयुष्मान भारत कार्ड पांच लाख रुपए तक मुफ्त इलाज की भी सुविधा के साथ प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के अन्तर्गत मुफ्त राशन भी उपलब्ध हो रहा है। प्रदेश में डबल इंजन की सरकार से हर घर हर परिवार को सरकार की किसी न किसी योजना का लाभ मिल रहा है।अब डबल इंजन की सरकार की हर घर नल से जल पहुंचाने का तेजी से काम हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि आज प्रदेश की जनता नहीं चाहती है कि फिर से सपा की गुंडाराज का शासन हो क्योंकि सपा के शासन में गुण्डा, माफिया, दंगाइयों का ही बोल बाला था जिससे लोग परेशान थें आज सभी दंगाई, माफिया, गुण्डा या तो सुधर गये या जेल में हैं और इन गुण्डों के आका जेल में या परमात्मा के पास चलें गये। और कहा कि यह चुनाव साधारण चुनाव नहीं यह चुनाव 2027 का सेमीफाइनल चुनाव है, लोकसभा चुनाव में दुष्प्रचार से लोगों को अपने माया जाल झूठ के पुलिंदे से तैयार स्लोगन संविधान खतरे में है,हर महिलाओं को महीने में एक हजार खटा खट फटा फट खाते में भेजने के आश्वासन से कुछ सीटें मिली तो गुब्बारे की तरह फूल गये अब गुब्बारे को फूटने की आवश्यकता है यह काम भाजपा के कार्यकर्ता फिर करने जा रहे हैं।।

इस अवसर कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने कहा कि कार्यकर्ता की मेहनत और लगन निष्ठा के बल पर हर बूथ पर अधिक से अधिक कमल खिलेगा यह कार्यकर्ताओं के उत्साह से प्रतीत होता है।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि कार्यकर्ता के बल पर ही सभी चुनाव जीतते हैं और कार्यकर्ताओं के सम्मान से कोई समझौता नहीं संगठन का कार्यकर्ता सर्वोपरि है।

जिला अध्यक्ष कविता पटेल ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। जिला प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने बताया किसके अलावा उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जिले के जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारियों के साथ संघटनात्मक बैठक की*

सम्मेलन में मुख्य रूप से राज्य सभा सांसद एवं प्रदेश महामंत्री अमर पाल मौर्य, प्रदेश उपाध्यक्ष त्रयंम्बक त्रिपाठी फूलपुर लोकसभा सांसद प्रवीण पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष कुंवर बी के सिंह, महापौर प्रयागराज उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी,, विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, हर्ष वर्धन वाजपेई,, बृजेश त्रिपाठी राजेश केसरवानी,विधानसभा फूलपुर उपचुनाव संयोजक अमरनाथ यादव, विधानसभा फूलपुर उपचुनाव प्रभारी रमेश द्विवेदी, प्रत्याशी दीपक पटेल सहित ब्लाक प्रमुख, पार्षद, जिला पंचायत सदस्य, जिला पदाधिकारी, मोर्चा जिलाध्यक्ष सहित जिला पदाधिकारी, मण्डल अध्यक्ष सहित मण्डल के सभी बूथ अध्यक्ष व बूथ के सदस्य उपस्थित रहे।

प्रीति कनौजिया गांव में शिक्षा ग्रहण कर बनने जा रही डॉक्टर

चायल, कौशाम्बी। तहसील क्षेत्र के तिल्हापुर गांव की प्रीति कनौजिया पुत्री राजेश कुमार कनौजिया ने विगत दिनों राष्ट्रीय स्तर की बड़ी परीक्षा नीट क्वालीफाई करके अपना परचम बुलंद किया है। गाँव में रहकर कठिन परिश्रम व निरन्तर संघर्ष करते हुए उसने पटना मेडिकल कालेज, बिहार में ऑल इंडिया काउंसिलिंग के जरिये एमबीबीएस में प्रवेश पा लिया। इसी उपलक्ष्य में शनिवार को एक श्सम्मान समारोह एवं शैक्षिक जागरूकता कार्यक्रमश का आयोजन किया गया। जिसमें गाँव के युवा प्रतियोगी छात्र-छात्राएं तथा बहुत से सम्मानित लोग उपस्थित हुए। कार्यक्रम की शुरुआत महापुरुष बाबा साहब डॉ.अम्बेडकर तथा संत गाडगे की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीपदान से हुई। इस दौरान प्रीति कनौजिया का ढोल-नगाड़े और फूल माला से गाँव वालों ने जबरदस्त स्वागत किया।

श्रमदान कर गोमती मित्रों ने नदियों का नुकसान न करने का किया आग्रह

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। गोमती मित्रों के लिए रविवार का साप्ताहिक श्रमदान बहुत ज्यादा थकाऊ साबित हुआ कारण दिवाली में पूजन के बाद लोगों नें पिछले वर्ष की प्रतिमा व अवशेष पूजन सामग्री को मां गोमती के तट पर छोड़ दिया। स्थिति इतनी भयावह थी कि नदी का पूरा तट तो भरा ही हुआ था नदी के अंदर से गोमती मित्रों ने कम से कम दो कुंतल कचरा निकाला और यह स्थिति ना नदियों की सेहत के लिए ठीक है ना ही नदियों में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं के लिए लेकिन अफसोस गोमती मित्र मंडल की लगातार अपील के बाद भी लोग जागरुक नहीं हो पा रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष मदन सिंह ने कहा कि अगर स्थिति यही रही तो गोमती नदी के अस्तित्व को बचाना मुश्किल हो जाएगा, उपस्थित गोमती मित्र भी स्थिति को देखकर बहुत पीड़ा में थे

और भारी मन से श्रमदान करने के बाद सभी ने शाम को होने वाली आरती की तैयारी की और बड़े ही बोझिल मन से धाम से बाहर निकल गये। श्रमदान में मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्ष रुद्र प्रताप सिंह मदन, मीडिया प्रभारी रमेश माहेश्वरी, मुन्ना सोनी, संत कुमार प्रधान, राकेश सिंह दद्दू, महेश प्रताप, अजय प्रताप सिंह, सोनू सिंह, मुन्ना पाठक, राजेंद्र शर्मा, डॉ कुंवर दिनकर प्रताप सिंह, आलोक तिवारी, अनुज प्रताप सिंह, सुजीत कसौधन, युवा मण्डल अध्यक्ष अजय वर्मा, रामकुमार मौर्य, आयुष, अभय, लड्डू, दीपू, सिंघम, राजन आदि उपस्थित रहे।

नशेड़ी युवकों ने लोडर चालक को पीटकर पैसा छीना

चायल, कौशाम्बी। पिपरी थानाक्षेत्र के दरियापुर गांव के समीप शनिवार की शाम दो नशेड़ी युवकों ने लोडर चालक को पीट दिया। साथ ही जेब में रखा पैसा भी छीन लिया। वहां से किसी तरह भागकर चालक और खलासी ने अपनी जान बचाई। घायल ने रविवार को पुलिस चौकी जाकर घटना की तहरीर दी। तहरीर मिलने के बाद पुलिस शिकायत की जांच में जुट गई है। पुलिस चौकी चायल क्षेत्र के रनिहापर गांव निवासी गुड्डू पांडेय पुत्र राजनारायण पांडेय लोडर चालक है।उसके अनुसार शनिवार को वह लोडर पर सामान लादकर पूरामुफ्ती थानाक्षेत्र के फतेहपुर घाट गांव गया था। वहां से सामान उतारकर वह शाम को खलासी हरीपाल पुत्र रामसुमेर के साथ घर लौट रहा था।इसी दौरान दरियापुर गांव के समीप दो युवकों ने उसे रोक लिया।रोकने का कारण पूछने पर उन दोनों नशेड़ियों ने उसके साथ अनायास गाली-गलौच करना शुरू कर दिया।

संदिग्ध परिस्थितियों में मिला रजवाहे में युवक का शव, पुलिस ने शुरू की मामले की जांच

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में युवक की संधि परिस्थितियों में रजवाहे में शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस में शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, परिवार के लोगों ने युवक की हत्या कर शव फेंकने का आरोप लगाया है। बुलंदशहर के खाना खानपुर क्षेत्र के गांव ढक्का शेखपुरा शनिवार की देर शाम खेतों पर गया था। इसके बाद से युवक लापता हो गया। परिवार के लोगों ने काफी ढूंढा, मगर युवक देवराज का कोई सुराग नहीं लग पाया। इसके बाद आज सुबह गांव के पास ही रजवाहे में शव मिलने की सूचना मिली। तत्काल गांव और परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। परिवार के लोगों ने शव की पहचान कर ली। परिवार के लोगों का आरोप है कि हत्या कर शव को रजवाहे में फेंका गया है। उनका कहना है कि रजवाहे में इतना पानी नहीं है, जिसमें देवराज डूब कर मार सके। फिलहाल पुलिस मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पंचनामा करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस ने शुरू की जांच

पुलिस ने युवक की मौत को हत्या, आत्महत्या के तौर पर जांच में जुट गई है। इस मामले में खानपुर थाना प्रभारी ने बताया कि एक शव की सूचना प्राप्त हुई थी। मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पंचनामा पोस्टमार्टम के भेज दिया गया है। परिवार की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

थाना प्रभारी ने कहा कि फिलहाल पूरे मामले की जांच की जा रही है। शरीर पर कोई भी चोट के निशान नहीं मिले हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

गले में रेडियम का पट्टा पहने दिखेंगे रात में आवारा पशु

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। रात को सड़क पर खुले आम घूम रहे छुट्टा पशुओं एवं यात्रियों की सुरक्षा के लिए चलाया गया कटका क्लब सामाजिक संस्था का अभियान। जिले के पचीस से अधिक गायों को उनसे होने वाले सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम करने के लिए कटका क्लब द्वारा एक अनोखी पहल किया गया है। जिसके तहत आवारा पशुओं के गले में रेडियम बेल्ट बाँधी जा रही है। इस पहल का उद्देश्य रात के समय वाहन चालकों और पशुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर उपस्थित संस्था के अध्यक्ष सौरभ मिश्र विनम्र ने कहा कि सड़क हादसों में अक्सर आवारा पशु कारण बनते हैं, और यह रेडियम बेल्ट एक संकेत के रूप में काम करेगी. जब वाहनों की लाइट इन बेल्ट पर पड़ती है, तो ये चमकती है, जिससे वाहन चालक समय रहते सावधान हो सकते हैं और हादसे टल सकते हैं. जिसमें चालकों के साथ पशुओं, की भी सुरक्षा सुनिश्चित हो सकती है। कटका क्लब के तुषार वर्मा ने बताया कि भारत में सड़क दुर्घटनाओं में हर साल करीब 1.5 लाख लोग अपनी जान गंवाते हैं, जिसमें प्रतिदिन लगभग 400 लोगों की मौत होती है.आवारा पशु इन दुर्घटनाओं का एक बड़ा कारण होते हैं । कटका क्लब के प्रदेश प्रभारी आकाश सिंह ने कहा कि सरकार ने सड़क हादसों को कम करने के उद्देश्य से नए यातायात नियम लागू किए हैं और नियम तोड़ने पर भारी जुर्माना लगाया है, लेकिन इस तरह के जन सहभागी प्रयास भी दुर्घटनाओं को रोकने में महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं. यह अभियान के रूप में जिले संस्था कार्य करेगी। इस मौके पर उपस्थित मोनू यादव, सुधीर यादव, प्रीतेश यादव, सूरज विश्वास, मौजूद रहे।

मेरठ में बवाल की फर्जी सूचना, पार्टी मनाने पहुंच गए पांच सिपाही...फिर जो हुआ, सपने में भी नहीं सोचा होगा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ पुलिस के पांच सिपाहियों को फर्जी सूचना देकर पार्टी मनाने जाना महंगा पड़ गया। दरअल, मेरठ में डायल 112 में अंजान व्यक्ति के मोबाइल से कंट्रोल रूम को बवाल की फर्जी सूचना दी गई। इसके बाद मौके पर लिए टीम निकली और कथित घटनास्थल की जगह पार्टी मानने चली गई। लखनऊ कंट्रोल रूम से उक्त नंबर से जब बवाल का फीडबैक लिया गया तो उस व्यक्ति ने ऐसी किसी घटना से इनकार कर दिया। वहीं, इस पूरे मामले पर एसएसपी के आदेश पर चारों पुलिस कर्मी और एक होमगार्ड के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया है।

मेरठ के थाना किला परीक्षितगढ़ क्षेत्र में तैनात एक डायल 112 ने कंट्रोल रूम को बबाल की सूचना देकर पार्टी मानने पहुंच गए। लखनऊ कंट्रोल रूम से जब सूचना देने वाले

नंबर से फीडबैक मांगा गया था पूरा सच सामने आया। आरोपी चार पुलिस कर्मी और एक होमगार्ड के खिलाफ थाना सिविल लाइन थाने में धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। थाना किला परीक्षितगढ़ सीटर में डायल-112 पर हेड कांस्टेबल यशपाल सिंह, प्रमोद कुमार, जितेंद्र कुमार, चालक राजन और होमगार्ड सुनील कुमार परीक्षितगढ़ में तैनात थे। 23 अक्टूबर को इन लोगों को एक पार्टी में जाना था। ड्यूटी पर तैनात रहते हुए यह असंभव था। प्लान के अनुसार, इन पांचों ने पार्टीस्थल के पास पहुंचकर एक राह चलते व्यक्ति से उसका फोन लिया। मौके पर बवाल होने की सूचना 112 पर कॉल कर कंट्रोल रूम को दी। घटनास्थल के नजदीक होने की वजह से लखनऊ से इनकी गाड़ी को मौके पर भेजा गया। डायल-112 के पुलिसकर्मियों ने मामूली विवाद निपटाने की बात बताकर पार्टी करने चले गए।

लखनऊ से फीडबैक, खुला राज

लखनऊ कंट्रोल रूम ने जिस नंबर से बबाल की सूचना आई थी, उस नंबर पर कॉल करके फीडबैक लिया तो सारा राज सामने आ गया। उस व्यक्ति ने लखनऊ कंट्रोल रूम से कॉल आने पर बताया कि वह अपने घर जा रहा था। पुलिसकर्मियों ने अपने फोन में नेटवर्क की दिक्कत बताकर उससे कॉल करने के लिए मोबाइल मांगा था।

व्यक्ति ने साफ तौर पर कहा कि पुलिसकर्मियों ने कहां और किसको फोन किया? इसकी जानकारी उसे नहीं है। अपना मोबाइल वापस लेकर वह घर आ गया। उसने डायल-112 पर कोई कॉल नहीं किया था। उसने कहा कि हमारे यहां कोई झगड़ा नहीं हुआ था।

एसएसपी से मांगी गई जानकारी

डायल-112 से इस मामले की जानकारी उच्चाधिकारियों को दी गई। इसके बाद लखनऊ से मेरठ एसएसपी डॉ. विपिन ताडा से बवाल के बारे में जानकारी मांगी गई। उन्होंने ऐसा कोई मामला न होने की बात बताई। एसएसपी ने बताया कि डायल-112 के प्रभारी बलराम सिंह ने हेड कॉन्स्टेबल यशपाल सिंह, प्रमोद कुमार, जितेंद्र कुमार, चालक राजन और होमगार्ड सुनील कुमार के खिलाफ धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

नोएडा एयरपोर्ट के लिए जमीन अधिग्रहण सवालों के घेरे में

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

जेवर। नोएडा एयरपोर्ट के दूसरे चरण में जमीन अधिग्रहण में गड़बड़ी का मामला सामने आया है। दूसरे फेज में जिस गांव नंगला हुकम सिंह में जमीन का अधिग्रहण होना है, वहां के के कुछ लोगों ने गांव में ही रहने अन्य ग्रामीण पर भूमि अधिग्रहण का अधिक मुआवजा लेने के लिए अपने खेतों पर मकान बनाने का आरोप लगाया है। आरोप है कि इन लोगों ने एक पटवारी से सांठगांठ कर ये मकान बनाया है।

इस मामले को लेकर कई बार शिकायत भी की गई, लेकिन पटवारी की मिलीभगत की वजह से आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। अब शिकायतकर्ताओं ने मामले की कंप्लेंट सीएम योगी आदित्यनाथ से की है।

एयरपोर्ट के दूसरे चरण में गांव नंगला हुकम सिंह की जमीन अधिग्रहीत होनी है। यहां के एक व्यक्ति ने मुख्यमंत्री को भेजी शिकायत में बताया है कि उनके गांव

के चार लोगों ने भूमि अधिग्रहण का अधिक लाभ लेने के लिए गांव के नजदीक एक पटवारी से सांठगांठ कर अपने खेत में अवैध रूप से निर्माण कर दो मंजिला मकान बना लिया है। आरोप है कि रबूपुरा कोतवाली मे 20 दिसंबर 2023 को इनके खिलाफ एक केस भी दर्ज कराया गया था।

20 करोड़ का मुआवजा बनता है

इस मकान का मुआवजा करीब बीस करोड़ रुपये का बनता है जिससे सरकार को बहुत अधिक संपत्ति की क्षति होगी। आरोप है कि कई बार शिकायत के बाद भी अभी तक आरोपितों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

हत्याकांड में लापरवाही बरतने वालों पर हो कार्रवाई

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

जौनपुर। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के कबीरूद्दीन पुर गांव में अनुराग हत्याकांड को लेकर समाजवादी मजदूर सभा के राष्ट्रीय महासचिव अमित यादव ने कहां की जमीन विवाद में 40 साल तक मुकदमा लटकाने वाले जिम्मेदार अधिकारियों कर्मचारियों पर कानूनी कार्रवाई हो और पुलिस विभाग के लापरवाह जिम्मेदारों पर भी कार्रवाई होनी चाहिए।समाजवादी मजदूर सभा के राष्ट्रीय महासचिव अमित यादव कमरुद्दीनपुर निवासी मृतक खिलाड़ी अनुराग यादव के घर पहुंचे और इस हत्याकांड की घोर निंदा करते हुए, उन्होंने कहा कि यह घटना नहीं होती इसमें राजस्व विभाग के अधिकारी कर्मचारी जिम्मेदार हैं उन पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए । इसके साथ ही इस थाना क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारी

पुलिसकर्मी की लापरवाही भी सामने आती है। उन पर भी निलंबन जैसी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पीड़ति परिवार को एक करोड़ रूपया का मुआवजा और सरकारी नौकरी सरकार दे उसके बाद पकड़े गए आरोपियों के पर कड़ी से कड़ी सजा दिलवाने का काम सरकार को करनी चाहिए। पीड़ति परिवार को उन्होंने सान्त्वना दिया और भरोसा जताया है कि उनके साथ कानूनी लड़ाई में जो भी मदद होगी किया जाएगा। इस मौके पर अखिल भारतीय यादव महासभा के जिला अध्यक्ष लालजी यादव, पूर्व सीएमओ डॉ रामअवध ,मेवालाल यादव ,जिला पंचायत सदस्य सचिन यादव, समाजसेवी जज सिंह अन्ना ,अधिकता अजय कृष्णा, रामनयन ,मोतीलाल, रामप्रकाश, सूबेदार यादव, त्रिभुवन नाथ, सुभाषचंद्र, केशव प्रसाद ,जय हिंद , वासुदेव फाउंडेशन के संस्थापक अरविंद यादव मौजूद रह।

मुकुट पूजन के साथ सिराथू में रामलीला का हुआ शुभारंभ

सिराथू, कौशाम्बी। सिराथू कस्बे के रामलीला मैदान में रविवार को पूरे विधि विधान के साथ श्री गणेश पूजा के बाद मुकुट पूजन के साथ ही कस्बे की रामलीला शुरू हो गयी है इस मौके पर बड़े पैमाने पर कस्बे के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

पिछले साल की तर्ज पर इस वर्ष भी नगर पंचायत सिराथू का रामलीला शुरू हो गया है। पहले दिन परंपरागत तरीके से मुकुट पूजा की गई है साथ ही कस्बे की प्राचीन रामलीला की विधिवत शुरुआत हो गई है । पहले दिन कलाकारों ने नारद मोह का मंचन किया जहां भगवान शिव ने माँ पार्वती को भगवान राम की कथा सुनाई की अंहकार सभी जीवों के शत्रु होता है चाहे भगवान हो या फिर इंसान । मंचन में नारद मुनि ने घोर तपस्या कर रिद्धि सिद्धि को प्राप्त कर देव विजय प्राप्त कर लिया था जिसका नारद मुनि को अहंकार हो गया ।

मेरठ में अवैध वसूली करने पहुंचे दो दारोगा को ग्रामीणों ने बंधक बनाकर पीटा, बमुश्किल छुड़ाया गया, मेडिकल से पहले हुए फरार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ के थाना परीक्षितगढ़ क्षेत्र के गोविंदपुरी में गाव वालों ने दो दारोगा को बंधक बना लिया। गांव वालों का आरोप है कि दोनों दारोगा पटाखों की बिक्री के नाम पर अवैध वसूली की मांग के साथ छेड़छाड़ कर रहे थे। सूचना मिलने पर सीओ सदर देहात तीन थानों की पुलिस फोर्स के साथ गांव पहुंचे और तीन घंटे की मशक्कत के बाद ग्रामीणों को समझाकर दोनों को बंधनमुक्त कराया। वहीं, दोनों दारोगा मेडिकल कराने से पहले थाने से फरार हो गए।

थाना परीक्षितगढ़ में तैनात दारोगा सतेंद्र और प्रशिक्षु शिवम शनिवार की रात गोविंदपुरी गांव में पिंटू के घर में घुसकर पटाखे बेचने के नाम पर रकम की मांग की। वसूली का विरोध करने पर एक दारोगा ने बुजुर्ग महिला को थप्पड़ जड़ दिया।

इसका गांव के ही हरेंद्र ने विरोध किया तो उसके साथ मारपीट कर दी। शोर-शराबा सुनकर ग्रामीण मकान के बाहर एकत्र हो गए और विरोध करने लगे। आरोप है कि इस पर नशे में धुत दारोगा ने ग्रामीणों के साथ अभद्रता और गाली-गलौज करते हुए उन पर पिस्टल तानते हुए जेल भेजने की धमकी दे डाली। इससे ग्रामीण उग्र हो गए और दोनों दारोगा को बंधक बना लिया। दोनों के साथ धक्का-मुक्की करते हुए मारपीट की।

दरोगा को बंधक बनाने की सूचना मिलते ही सीओ सदर देहात तत्काल परीक्षितगढ़, किठौर, मवाना, भावनपुर आदि थानों की फोर्स लेकर मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि दारोगा सतेंद्र कई दिनों से दुकानदारों को परेशान कर रहा था। आए दिन किसी न किसी को डरा-धमकाकर वह अवैध वसूली करता था। विरोध करने पर जेल भेजने की धमकी देता था। ग्रामीणों ने दोनों दारोगा को निलंबित किए जाने और रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग की। सीओ ने ग्रामीणों को किसी तरह शांत कराया। सीओ ने दोनों आरोपी दारोगा के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया। करीब तीन घंटे बाद ग्रामीणों ने दोनों दारोगा को छोड़ा। वहीं, मेडिकल करवाने से पहले ही आरोपी दोनों दारोगा थाने से फरार हो गए।

दारोगा पर पहले भी लगे कई गंभीर आरोप

दारोगा सतेंद्र पर किठौर थाने में तैनाती के दौरान अवैध वसूली के साथ कई अन्य आरोप भी लगे थे। राधना गांव में भारी संख्या में अवैध हथियार बनाकर बेचने की शिकायत पर एनआईए की टीम कई बार दबिश देने आती थी। दारोगा सतेंद्र को इसकी पहले ही खबर होती थी। आरोप है कि वह अवैध हथियार का कारोबार करने वाले लोगों को सूचना देता था। जिसके चलते वह पहले ही फरार हो जाते थे। एनआईए टीम को छापामार कार्रवाई के दौरान कुछ नहीं मिलता था।

ए.के. शर्मा ने छठ घाटों की चाक चौबंद व्यवस्था कराने का दिया निर्देश

छठ पूजा आस्था का महापर्व, नहीं होगी श्रद्धालुओं को कोई परेशानी: नगर विकास मंत्री

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा और लखनऊ की महापौर मती सुषमा खर्कवाल जी रविवार को शाम 5:30 बजे लक्ष्मण मेला मैदान, झूलेलाल घाट, हनुमान सेतु पुराना मंदिर पहुंचकर दीपोत्सव के बाद आने वाली छठ पूजा को लेकर छठ घाटों व मार्गों में की जा रही व्यवस्थाओं, सुंदरीकरण, घाटों की मरम्मत, साफ-सफाई, स्वच्छता व प्रकाश व्यवस्था आदि कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को छठ घाटों की चाक चौबंद व्यवस्था करने के जरूरी निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि 05 नवंबर से शुरू हो रहे और 08 नवंबर तक चलने वाले छठ पूजा महापर्व पर विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी श्रद्धालुओं को कोई परेशानी नहीं होगी। छठ पूजा आस्था का महापर्व है, लाखों श्रद्धालु अपनी मुरादें पूरी करने के लिए सूर्य भगवान को अर्घ्य देकर पूर्ण श्रद्धा और विश्वास के साथ मानते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी और मुख्यमंत्री योगी जी के नेतृत्व व मार्गदर्शन में सनातन संस्कृति मजबूत हो रहीं। लोग अब पूर्ण श्रद्धा,आस्था व विश्वास के साथ सनातन पर्वों व त्योहारों को मना रहे हैं। इस वर्ष लखनऊ नगर निगम अपनी सीमा क्षेत्र में 88 स्थानों पर छठ पूजा स्थलों में सभी व्यवस्था कर रहा है। मंत्री शर्मा और महापौर ने छठ पूजा के लिए घाटों में आने वाले सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक शुभकामनाएं दी है और सभी श्रद्धालुओं से स्वच्छ, सुरक्षित, जीरो वेस्ट, प्लास्टिक मुक्त छठ पर्व मनाने के साथ गोमती नदी की स्वच्छता बनी रहे इसकी अपील की है।

नगर विकास मंत्री ने छठ घाटों व मार्गों में श्रद्धालुओं को बेहतर व्यवस्था मिले, उन्हें कोई परेशानी न हो, इसके लिए जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी पूजा घाटों में साफ सफाई की बेहतर व्यवस्था हो। सिंगल प्लास्टिक का प्रयोग न हो, घाटों में इसके लिए लोगों को जागरूक किया जाए। कूड़ा कचरा इधर-उधर न फैले घाटों में डस्टबिन रखवाए जाय। पूजा सामग्री जल में प्रवाहित न हो, इसके लिए घाटों में अर्पण कलश बनाए जाएं। लोग छठ पर्व को दिव्य और भव्य रूप से मनाए, इसके लिए घाटों का सुंदरीकरण कराए, जिससे श्रद्धालुओं को पूर्ण शांति व खुशी का एहसास हो। छठ पूजा स्थलों व मार्गों पर मच्छरों, डेंगू से बचाव के लिए साफ सफाई के साथ फागिंग कराए, चूने का छिड़काव करें। पूजा सामग्री और कूड़े के निपटान के लिए उचित प्रबंध भी किया जाए।

ए.के. शर्मा ने निर्देशित किया कि छठ घाटों में नदी में जलकुंभी न दिखे। गहरे पानी में जाने से बचने के लिए नदी में बैरिकेटिंग की जाए। साथ ही किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए जल पुलिस और गोताखोर भी तैनात किए जाएं। सभी घाटों में जीरो वेस्ट पर्व मनाने के लिए उचित व्यवस्था की जाए। श्रद्धालुओ के लिए घाटों में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति हेतु टैंकरों की व्यवस्था रहें। घाटों में गंदगी न हो, मोबाइल टॉयलेट की पर्याप्त व्यवस्था रहे। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए, इसके लिए घाटों में सीसीटीवी कैमरा लगाए जाएं, मॉनिटरिंग के लिए पब्लिक एड्रेस सिस्टम बनाया जाए। घाटों और मार्गों में स्थानीय पुलिस की भी पर्याप्त व्यवस्था रहे। वाहनों के लिए पार्किंग की भी पर्याप्त व्यवस्था की जाए। निर्धारित स्थानों पर जाने वह व्यवस्थाओं के उपयोग संबंधी साइनेज भी लगाए जाएं।

शर्मा ने कहा कि छठ पूजा घाटों और मार्गों पर पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था रहे। पूजा घाटों को जाने वाले मार्गों को व्यवस्थित कराए। मार्गो में साफ सफाई की उचित व्यवस्था रहे। छठ घाटों और मार्गो में एलईडी लाइट, हाईमास्ट और झालर का प्रयोग कर लाइटिंग भी कराए। सभी छठ सफाई कर्मी, मशीनों, कार्मिकों व अधिकारियों की तैनाती रहे, सभी अपनी जिम्मेदारी को मुस्तैदी के साथ करें। ऐसे नगरीय निकाय जहां पर छठ पूजा पर्व का आयोजन किया जा रहा है, ख़ासतौर से पूर्वांचल के क्षेत्र में वहां पर श्रद्धालुओं के लिए बेहतर व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान भोजपुरी समाज के प्रभुनाथ राय, वेद प्रकाश राय, मनोज सिंह, अपर नगर आयुक्त ललित कुमार, मुख्य अभियंता महेश वर्मा के साथ एलडीए और नगर निगम के अधिकारी मौजूद रहे।

रवीन्द्रालय प्रेक्षागृह लखनऊ में ऐतिहासिक पसमान्दा राईन एकता महासम्मेलन

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। आल इन्डिया जमीयतुर राईन के सरपरस्त हाजी इब्राहिम राईन अलीगढ़, सरपरस्त-ए-आला हाजी असलम अहमद राईन लखनऊ, के जेरे सरपरस्ती एंव उत्तर प्रदेश जमीयतुर राईन के जेरे एहतिमामं, प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद वसीम राईनी का संचालन तथा आल इन्डिया जमीयतुर राईन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शमशाद आलम राईन की अध्यक्षता में राईन समाज के उत्थान के लिए ऐतिहासिक पसमान्दा राईन एकता महासम्मेलन का उद्देश्य विशेष रूप से जागरूकता, एकजुटता, सामाजिक, राजनैतिक, शैक्षिक (आधुनिक शिक्षा), विधिक, आर्थिक, व्यवसायिक वैवाहिक परिचय आदि है।

पसमान्दा राईन एकता महासम्मेलन में बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, झारखण्ड, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, महाराष्ट्र राजस्थान, सिक्किम, कर्नाटक से अथिति गणों ने शिरक्त की। अति विशेष अथिति सोहराब अली राईनी पूर्व विधायक कोलकाता, अमीरूद्दीन बॉबी राईनी डिप्टी मेयर कोलकाता, कहकशा परवीन रांची पूर्व राज्य सभा सदस्य, शमसुद्दीन राईनी नोएडा, प्रभारी बहुजन समाज पार्टी, हाजी मोहम्मद रमजान राईन पूर्व विधायक श्रावस्ती, मोहम्मद असलम राईन पूर्व विधायक श्रावस्ती, कासिम अली राईन पूर्व विधायक देवरिया, डा० गयासुद्दीन वरिष्ठ सर्जन पटना, डा० कैयूम सर्जन बलरामपुर, विशेष अथिति-मध्य प्रदेश से हाजी हमीद इरशाद भोपाल, शोकीन राईन भोपाल, हाजी अजीज राईन विदिशा, विशेष अथिति-बिहार से मो० शकील राईनी पटना, डा० राहत अली राईनी दरभंगा, आफाक आलम राईनी दरभंगा, डा० फरमान अली राईनी पटना, रियाज अहमद राईनी पटना, असगर राईनी सीतामढ़ी, अकबर राईनी सीतामढ़ी, मो० मोजीब राईनी मधुबनी, मो० मेराज मधुबनी, ईद मोहम्मद चांद राइनी मधुबनी, विशेष अथिति-चौधरी असलम परवेज राईन दिल्ली, मोहम्मद हनीफ राईन दिल्ली, अनवार उल हई राई दिल्ली, चौधरी फरमान राईन अलीगढ़, अब्दुल अजीज राईन राजस्थान, आमीन राईन अशरफी मुम्बई से अपना अमूल्य समय देकर सम्मेलन को कामयाब बनाया। आज राईन इत्तेहाद कान्फ्रेन्स की जरूरत इस लिए पड़ी कि 2: आबादी वाले लोग एकजुट हो कर सरकार में अपनी राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चत कर सामाजिक, आर्थिक, शिक्षा और चिकत्सा के क्षेत्र में अपने समाज का उत्थान कर रहे है, जबकि राईन समाज कसीर तादाद में हेते हुए भी आज तक किसी भी सरकार ने इस समाज की ओर ध्यान नही दिया है। इस महा सम्मेलन में राईन समाज को एकजुट करने के लिए आवान्ह किया गया है ताकि राईन समाज को भारतीय राजनीति में उचित भागीदारी मिल सके। राईन समाज का पुशतैनी कारोबार सब्जी मण्डी, फल मण्डी, गल्ला मण्डी, मछली मण्डी, काश्तकारी एवं बागवानी आदि से जुड़े हुए है परन्तु मौजूदा परिस्थित में हम से हमारा पुशतैनी कारोबार भी छीनने की कोशिश की जा रहा है। राईन समाज जो कि मण्डियों से सम्बन्धित कारेबार में व्यस्त रहती है परन्तु सरकार द्वारा मण्डी के व्यापारियों को किसी भी तरह का सहयोग न देना चिन्ता का विषय है। सरकार से हमारी मांग है कि मण्डी के समस्त व्यापारियों का सरकार द्वारा बीमा सुनिश्चित किया जाय।राईन समाज के उत्थान के लिए उच्च शिक्षा एव तकनीकी, मेडिकल में राईन समाज के बच्चों को 4: आरक्षण सुनिश्चित किया जाय। चूंकि मुसलिम समाज में राईन समाज की तादाद सर्वाधिक है, राईन समाज की आबादी के अनुसार ही इनको हिस्सेदारी दी जाय। राईन समाज के ज्यादातर लोग सब्जी, फल का ठेलाध्खुन्चा लगाकर अपना जीवन यापन बहुत कठिनाई से कर पा रहे है, इनके लिये सरकार द्वारा उचित व्यवस्था करते हुए विशेष अनुदान एवं सहयोग की नितान्त आवश्यकता है।

लखनऊ वाले कर लें पानी का इंतजाम, एक सप्ताह बाद पांच लाख की आबादी पर गहराएगा संकट

लखनऊ। बंद चल रही शारदा नहर के कारण अगले सप्ताह से इंदिरानगर, गोमतीनगर और चिनहट की पांच लाख की आबादी पानी का संकट झेलेगी। चौदह नंवबर तक नहर बंद होने के कारण कठौता झील (तीसरा जलकल) को पानी नहीं मिल पा रहा है और झील में उपलब्ध पानी हर दिन घट रहा है। लिहाजा कई दिनों से जलापूर्ति में कटौती की जा रही है, जिसका असर पेयजल आपूर्ति पर दिखने लगा है। करीब दस दिन से सुबह और शाम दो-दो घंटे पानी की कटौती हो रही है और आने वाले दिनों में कटौती की अवधि बढ़ सकती है। दस दिन पहले अनुरक्षण कार्य के लिए नहर बंद की गई थी और माना जा रहा है कि नहर की सफाई के बाद 15 नवंबर को ही नहर से पानी छोड़ा जाएगा। 135 किलोमीटर दूर लखीमपुर की शारदा नहर से पानी आने में करीब 48 घंटे लग जाते हैं।

मायावती का सवाल– गरीब बच्चे कहां और कैसे पढ़ेंगे ? योगी सरकार के फैसले को बताया अनुचित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने 50 से कम छात्रों वाले प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों को बंद कर उनका दूसरे स्कूलों में विलय करने के प्रदेश सरकार के निर्णय की कड़ी आलोचना की है। सवाल उठाया कि आखिर गरीब के बच्चे कहां और कैसे पढ़ेंगे? बसपा प्रमुख ने रविवार को इंटरनेट मीडिया एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि विद्यालयों में सुधार के बजाए इन्हें बंद किया जा रहा है, यह निर्णय ठीक नहीं है।

मायावती ने अपने पोस्ट में लिखा, यूपी सरकार द्वारा 50 से कम छात्रों वाले बदहाल 27,764 परिषदीय प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में जरूरी सुधार करके उन्हें बेहतर बनाने के उपाय करने के बजाय उनको बंद करके

उनका दूसरे स्कूलों में विलय करने का फैसला उचित नहीं। ऐसे में गरीब बच्चे आखिर कहां और कैसे पढ़ेंगे?

ओडिशा सरकार के फैसले को भी बताया अनुचित

उन्होंने लिखा कि यूपी व देश के अधिकतर राज्यों में खासकर प्राइमरी व सेकेंडरी शिक्षा का बहुत ही खराब हाल है, जिस कारण गरीब परिवार के करोड़ों बच्चे अच्छी शिक्षा तो दूर, सही शिक्षा से भी लगातार वंचित हैं। ओडिसा सरकार द्वारा कम छात्रों वाले स्कूलों को बंद करने का भी फैसला अनुचित है।

एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा कि, सरकारों की इसी प्रकार की गरीब व जनविरोधी नीतियों का परिणाम है कि लोग प्राइवेट स्कूलों में अपने बच्चों को पढ़ाने को मजबूर हो रहे हैं, जैसा कि सर्वे से स्पष्ट है। किंतु सरकार द्वारा शिक्षा पर समुचित धन व ध्यान देकर इसमें जरूरी सुधार करने के बजाए, इनको बंद करना ठीक नहीं है।

50 से कम छात्र वाले 27,764 विद्यालयों का दूसरे स्कूलों में होगा विलय

प्रदेश में ऐसे 27,764 परिषदीय प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय जिन में 50 से कम विद्यार्थी हैं उनका दूसरे स्कूलों में विलय किया जाएगा। ग्राम पंचायत के दूसरे स्कूल या फिर पास की अन्य ग्राम पंचायत के विद्यालय में इनका विलय होगा। अगले शैक्षिक सत्र वर्ष 2025- 26 से इन विद्यालयों को स्थानांतरित किए जाने के लिए अभी से प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं।

महानिदेशक, स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा की ओर से सभी जिलों के बेसिक शिक्षा अधिकारियों (बीएसए) को निर्देश दिए गए हैं कि वह 13 नवंबर या फिर 14 नवंबर को बैठक कर ऐसे स्कूलों को सूचीबद्ध करें और पास के किस स्कूल में इनका विलय करना ठीक रहेगा इसके लिए रिपोर्ट तैयार करें। अब ग्राम पंचायत के दूसरे स्कूल में इनका संविलियन किए जाने के मानक की बाध्यता को समाप्त कर दिया गया है।

छठ पूजा के लिए यूपी सरकार ने बसों का बेड़ा उतारा, पूर्वांचल के शहरों को चलेंगी बसें

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। छठ पर्व पर अपने घरों को लौटने वाले यात्रियों के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने विशेष तैयारियां की हैं। लखनऊ से पूर्वांचल के 13 जिलों के लिए 120 अतिरिक्त बसों का संचालन किया जाएगा। ये बसें लखनऊ के आलमबाग, चारबाग, अवध और कैसरबाग बस स्टेशनों से चलेंगी। यूपी रोडवेज की इस पहल का उद्देश्य यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए छठ पर्व के दौरान उन्हें सुविधाजनक और सुरक्षित यात्रा प्रदान करना है।

क्षेत्रीय प्रबंधक आर के त्रिपाठी ने बताया कि लखनऊ से मऊ, गाजीपुर, बलिया, आजमगढ़, गोरखपुर, बस्ती, बनारस, प्रयागराज, देवरिया, जौनपुर, भदोही, मिर्जापुर, कुशीनगर सहित कई जिलों के लिए एसी और साधारण बसों की सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। यात्री UPSRTC की वेबसाइट पर जाकर तत्काल बुकिंग

कर सकते हैं।

छठ पर्व के लिए रेलवे ने बढ़ाए पूजा स्पेशल ट्रेनों के फेरे

रेलवे ने भी छठ पर्व पर ट्रेनों में संभावित भीड़ को देखते हुए पूजा स्पेशल ट्रेनों के फेरे बढ़ा दिए हैं। इनमें गोरखपुर-बांद्रा टर्मिनस ट्रेन 14, 18 नवंबर को गोरखपुर से और 16, 20 नवंबर को बांद्रा से अतिरिक्त फेरे लगाएगी। मुंबई, दिल्ली, पुणे से पूर्वांचल के लिए अन्य ट्रेनों के फेरे भी बढ़ाए गए हैं। यात्री अपनी सुविधा के लिए रेलवे के 139 नंबर पर संपर्क कर विशेष ट्रेनों के आवागमन के बारे में जानकारी ले सकते हैं।

स्पेशल ट्रेनों में सीटें उपलब्ध

3 नवंबर को चलने वाली लखनऊ-छपरा (02270), 6 नवंबर को गोरखपुर-आनंद विहार (04043), 17 नवंबर को गोरखपुर-आनंद विहार (05023), 20 नवंबर को गोरखपुर-अमृतसर (05005), 16 नवंबर को गोरखपुर-महबूबनगर (05303), 7 नवंबर को मऊ-आनंद विहार (05301), 8 नवंबर को गोरखपुर-चंडीगढ़ (04517) जैसी कई विशेष ट्रेनों में विभिन्न श्रेणियों में बर्थ उपलब्ध हैं।

बहनों ने मंत्री नन्दी को तिलक लगाकर दिया आशीर्वाद

मंत्री नन्दी ने विभिन्न क्षेत्रों से आई सैकड़ों बहनों के साथ मनाया भाई दूज का पर्व

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने आज बहादुरगंज स्थित अपने आवास पर सैकड़ों बहनों, भाजपा की महिला पदाधिकारियों, महिला मोर्चा, जिला, मंडल, सेक्टर की पदाधिकारी बहनों के साथ भैया दूज का पर्व मनाया। सभी बहनों ने भाई-बहन के परस्पर प्रेम, अटूट विश्वास, समर्पण एवं पवित्र रिश्ते के प्रतीक पर्व 'भाई दूज' के पावन अवसर पर तिलक लगाकर मंत्री नन्दी को अपना आशीर्वाद दिया।

मंत्री नंदी ने कहा कि भाई-बहन का यह अटूट बंधन हमेशा प्रेम, स्नेह और खुशियों से भरा रहे, ईश्वर से यही प्रार्थना है। भाई दूज का यह पर्व हमारे रिश्तों को और भी मजबूत बनाता है और हमें एक-दूसरे के प्रति अपने प्यार और सम्मान को व्यक्त करने का मौका देता है।

इस अवसर पर सभी बहनों ने मंत्री नन्दी को तिलक लगाकर आरती उतारी और मिठाई खिलाकर लम्बी उम्र की कामना की। मंत्री नन्दी ने बहनों को आशीर्वाद और उपहार दिया।मंत्री नन्दी ने सभी बहनों को भाई दूज की शुभकामनाएं दी। नन्दी ने कहा कि बहनों की जिंदगी में सुख-समृद्धि और खुशियां रहे, इसके लिए मैं सदैव काम करता रहूंगा। बहनों का आशीर्वाद मुझे और ताकत से काम करने की ऊर्जा देता है। बुधवार को बहनों ने भाइयों के लम्बी उम्र की कामना के लिए व्रत रखा और उनको तिलक लगाकर कुशल और मंगलमय जीवन की कामना की।

डेंगू के डंक से सकते में लखनऊ, 2100 से अधिक केस ने बढ़ाई चिंता, डॉक्टरों का सुझाव जान लीजिए

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मौसम बदलने से लोग तेजी से बीमार पड़ रहे हैं। राजधानी लखनऊ में डेंगू का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है। यहीं वजह है कि लखनऊ में अबतक 2 हजार से ज्यादा डेंगू के केस मिल चुके हैं। वहीं डेंगू के बढ़ते मामलों ने स्वास्थ्य महकमें की टेंशन बढ़ा दी है। शनिवार को 24 घंटे में 34 नए लोग डेंगू से पॉजिटिव पाए गए हैं। लखनऊ के कई इलाकों में लगातार डेंगू के मामले मिल रहे हैं। वहीं डॉक्टरों का कहना है कि डेंगू से घबराने की जरूरत नहीं है, बस सावधानी अपनाएं। फुल आस्तीन के कपड़े पहने और बुखार आने पर डॉक्टरी सलाह के बाद ही दवाई का सेवन करें।

लखनऊ में 2 नवंबर को 34 लोग डेंगू से पीड़ति पाए गए। ये मामले इंदिरानगर, बीकेटी, ऐशबाग

समेत कई क्षेत्रों से पाए गए हैं। सीएमओ ऑफिस की रिपोर्ट की माने तो चन्दरनगर और इंदिरा नगर में सबसे ज्यादा लोग डेंगू से पॉजिटिव मिले हैं। इंदिरानगर और चन्दरनगर में 8-8 डेंगू के नए मरीज पाए गए हैं। वहीं अलीगंज में 5, एनके रोड में 1, सरोजनीनगर में 3 केस पाए गए हैं। वहीं, सिल्वर जुबली में 2 केस, बख्शी का तालाब में 2 केस, ऐशबाग में 3 और टूडियागंज में 3 लोग डेंगू से पीड़ति मिले हैं।

मलेरिया के भी आ रहे मामले

लखनऊ में डेंगू के साथ साथ मलेरिया के मामले भी लगातार मिल रहे है। इस साल में अबतक 2104 डेंगू के केस मिल चुके हैं। जबकि 473 लोग मलेरिया के पीड़ति पाए जा चुके हैं। उधर डेंगू के लगातार बढ़ते मामले के चलते स्वास्थ्य विभाग भी एक्शन मोड में आ गया है। डेंगू पर नियंत्रण पाने के लिए फॉगिंग और एंटी-लार्वा दवाओं का छिड़काव लगातार किया जा रहा है।

साथ ही, स्वास्थ्य विभाग की ओर से डेंगू के खिलाफ जागरूकता फैलाने पर जोर दिया जा रहा है। करीब 723 घरों व आस-पास मच्छरजनित स्थितियों का सर्वेक्षण किया गया। इसमें 2 घरों को नोटिस दिया गया है।

सीएमओ ने की अपील

सीएमओ ऑफिस ने डेंगू और मलेरिया से बचने के लिए जनता से अपील की है। जनता को घर के आस-पास पानी जमा न होने देने की सलाह दी है। साथ ही पानी से भरे हुए बर्तन व टंकियों को ढंक कर रखने के साथ ही हर हफ्ते कूलर के पानी को खाली करके साफ कपड़े से पोछ कर सूखाने और उसे साफ करने के बाद ही फिर से प्रयोग में लाने के लिए कहा है। इसके अलावा पूरी बांह के कपड़े पहनने की भी सलाह दी है। बच्चों को घर से बाहर न निकलने, मच्छर रोधी क्रीम लगाने और मच्छरदानी में रहने के लिए भी कहा गया है। साथ ही कहा कि बुखार होने पर खुद से दवा न करे, डॉक्टरों की सलाह लेने के बाद ही दवा का सेवन करने के लिए कहा है।

'अफसरों के नाम नोट करो, सरकार आने पर इनसे निपटा जाएगा'

शिवपाल यादव के इस बयान के बाद क्यों खुश हुए सपा कार्यकर्ता

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। समाजवादी पार्टी सीसामऊ विधानसभा उपचुनाव की प्रत्याशी नसीम सोलंकी के केंद्रीय चुनाव कार्यालय, पीपीएन मार्केट के सामने, परेड का उद्घाटन करने पहुंचे पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि सीसामऊ विधानसभा की सीट हाजी मुश्ताक सोलंकी और इरफान सोलंकी की रही है। यहां की जनता वर्तमान प्रत्याशी नसीम सोलंकी को विजयी बनाकर जीत का हैट्रिक लगाएगी।

इरफान सोलंकी भाजपा की साजिश के हुए शिकार : शिवपाल

उन्होंने कहा कि जनता जानती है कि विधायक इरफान सोलंकी भाजपा की साजिश का शिकार हुए हैं। नसीम सोलंकी की हिम्मत को सलाम करते हैं कि उन्होंने विपरीत परिस्थितियों और संकट के समय में भाजपा की आंख से आंख मिलाकर चुनाव लड़ने का फैसला लिया। उन्होंने कहा कि 13 नवंबर को मतदान के दिन गड़बड़ी का पता चलता है तो कार्यकर्ता मुकाबला करने को तैयार रहें।

गलती मिलने पर अफसरों के नाम नोट करें कार्यकर्ता : शिवपाल

वरिष्ठ अधिकारियों को उन्होंने नसीहत देते हुए कहा सपा सरकार ने उनको नौकरी दी थी और उस समय उन्होंने पारदर्शिता के साथ नौकरी करने की शपथ ली थी। उन अधिकारियों से कहना है कि वह सीसामऊ विधानसभा का निष्पक्ष चुनाव कराने में सहयोग दें। यदि उन्हें किसी भी अधिकारी द्वारा गड़बड़ी करने की शिकायत मिलती है तो कार्यकर्ता उनके नाम नोट करके दे।

मतदाताओं को 'रिश्वत' जैसी गारंटी की सियासत पर उठते सवालों का जवाब आखिर देगा कौन, पूछते हैं लोग!

पहले मतदाताओं को 'रिश्वत' जैसी चुनावी गारंटी देने और फिर चुनाव जीत लेने के बाद उसे लागू नहीं करने की वादाखिलाफी एक ऐसा सुलगता हुआ सवाल है, जिसका जवाब लाभुक मांगते हैं, पर वह मिलती नहीं! जबकि ऐसा करके सत्ता में आने वाली सरकारों को शासन से बेदखल कर देना चाहिए और उनकी पार्टी की मान्यता रद्द कर देना चाहिए। ऐसा स्पष्ट प्रावधान यदि नहीं है तो कीजिए। क्योंकि यह विषय सियासत का नहीं, बल्कि मतदाताओं से सीधी धोखाधड़ी का है और ऐसे नेताओं के खिलाफ '420' (परिवर्तित धारा 318) वाला मुकदमा भी चलाया जाना चाहिए। इस मामले में सत्ता पक्ष व विपक्ष की सांठगांठ के खिलाफ सिविल सोसाइटी, प्रशासन, न्यायपालिका और मीडिया को आगे आना चाहिए। क्योंकि ऐसी वायदाखिलाफी की सियासत पर उठते सवालों का जवाब आखिर कौन देगा, भुक्तभोगी लोग सबसे पूछ रहे हैं। कभी कांग्रेस के दफ्तरों पर पहुंचकर, तो कभी मीडियाकर्मियों के मिलने पर। कभी विभिन्न विचार गोष्ठियों में तो कभी सड़कों पर। इस मामले का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि अब खुद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपनी पार्टी के नेताओं को सिर्फ वही चुनावी गारंटी देने के वायदे करने की नसीहत दी है, जिन्हें सत्ता में आने के बाद पूरा किया जा सके! ऐसा इसलिए कि चुनावी गारंटी पूरे करने के मामले में तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक की कांग्रेसी सरकारें फिसड्डी साबित हुई हैं। इससे कांग्रेस के जनाधार पर भी असर पड़ना स्वाभाविक है। समझा जाता है कि छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान की कांग्रेसी सरकारों के पतन के पीछे कुछ ऐसी ही वादाखिलाफी का हाथ है। यही वजह है कि भाजपा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के ही बयान को आधार बनाकर अब कांग्रेस और राहुल गांधी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। आपको पता होगा कि आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल की मुफ्त बिजली-पानी की सियासत और जनसहुलियत भरी शिक्षा-चिकित्सा व्यवस्था की राजनीति जब दिल्ली से लेकर पंजाब तक हावी होती चली गई तो अपनी सरकारें गंवाने के बाद राहुल गांधी-प्रियंका गांधी ने कांग्रेस की गारंटी के नाम पर लोगों से धड़ाधड़ वायदे किए और खटाखट धन देने की गारंटी दी, लेकिन उनकी राज्य सरकारें उसे पूरी नहीं कर सकीं। इससे पार्टी की बढ़ती अलोकप्रियता और हरियाणा विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार को महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों में डैमेज कंट्रोल के लिए ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपनी पार्टी के नेताओं को जो कुछ समीचीन सुझाव दिए, अब उसे ही भाजपा ने चुनावी हथियार बना लिए। क्योंकि लोगों को चुनावी लॉलीपॉप गारंटी देने की विरोधी रही भाजपा ने भले ही आप और कांग्रेस के दबाव में अपनी सत्ता प्राप्ति के लिए मोदी की गारंटी शुरू की और विभिन्न कांग्रेसी व विपक्षी दल शासित राज्यों में शानदार वापसी की, लेकिन अब वह मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान को लेकर जिस तरह से कांग्रेस पर हमलावर है, उसका फलसफा यही है कि अनुकूल मौका मिलते ही भाजपा मोदी की गारंटी वापस ले लेगी। बशर्ते कि पहले वह इसी के सहारे कांग्रेस व आप का सफाया कर ले। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कर्नाटक में आर्थिक संकट की खबरों के बीच नेताओं को वही वादे करने की नसीहत दी है, जिन्हें पूरा किया जा सके। उन्होंने साफ कहा कि उतनी ही गारंटी का वादा करें, जितना दे सकें, नहीं तो सरकार दिवालियापन की कगार पर पहुंच जाएगी। यही वजह है कि कांग्रेस अध्यक्ष के इस बयान पर अब सियासी घमासान मच गया है। केंद्र की सत्ता पर काबिज राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की अगुवाई कर रही भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने खड़गे के बयान को ही आधार बनाकर कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने बाजाप्ता प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे ने कई चीजों को स्वीकार कर लिया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने जो बोला है, वो राहुल गांधी को बताया है क्या? कई चुनाव से खट-खटाखट चल रही घोषणाओं का क्या होगा? जो बोला है, बजट में उसका प्रावधान है कि नहीं? उन्होंने हिमाचल प्रदेश सरकार का जिक्र करते हुए कहा कि वहां कांग्रेस ने कई वादे किए थे कि ये कर देंगे, वो कर देंगे, पर अब वहां के सीएम कह रहे हैं कि वेतन बाद में ले लेना। वहीं, टॉयलेट पर टैक्स की चर्चा करते हुए कांग्रेस पर घोषणाएं करके जनता को मूर्ख बनाने और किसी योजना को अमल में नहीं लाने का आरोप लगाया। भाजपा ने कहा कि कर्नाटक में पांच गारंटी की घोषणा की गई थी लेकिन हुआ क्या? हो क्या रहा है वहां? कर्नाटक में अब फ्री बस को रिव्यू करने की बात कही जा रही है! हालांकि भाजपा पर भी कांग्रेस आरोप लगाती आई है कि मोदी ने 2014 में 15 लाख रुपये खाते में आने के सपने दिखाए थे, जो लगभग 11 साल बाद भी नहीं आए। दो करोड़ नौकरियों का वायदा भी सिफर ही रहा। कोरोना के बाद उन्होंने युवाओं को पकौड़े बेचने लायक भी नहीं छोड़ा।

अधिक बच्चे पैदा करने के नायडू के बयान पर भाजपा मौन

दक्षिण भारत के राज्यों की हिस्सेदारी 24 प्रतिशत से घटकर 20 प्रतिशत हो जाएगी। बाकी राज्यों की हिस्सेदारी भी 34 प्रतिशत से घटकर 32 प्रतिशत हो जाएगी।

योगेंद्र योगी

आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने अपने राज्य के लोगों से दो अधिक बच्चे पैदा करने की मांग की है। सर्वाधिक आश्चर्य यह है कि इन दो राज्यों के मुख्यमंत्रियों की इस मांग के बावजूद भारतीय जनता पार्टी ने चुप्पी साध रखी है। मुसलमानों को दो से अधिक बच्चे पैदा करने पर परोक्ष और प्रत्यक्ष तौर पर कोसने वाली भाजपा इन दो मुख्यमंत्रियों की मांग पर पूरी तरह मौन है। कारण साफ है चन्द्रबाबू नायडु ने केंद्र की भाजपा सरकार को अपनी पार्टी तेलगुदेशम पार्टी के सांसदों का समर्थन दे रखा है। दूसरे शब्दों में कहे तो केंद्र की मोदी सरकार नायडु की बैसाखियों पर टिकी है। इसलिए दो से ज्यादा बच्चे पैदा करने के नायडू के बयान पर भाजपा ने मौन रखना ही बेहतर समझा। इसमें भाजपा को देश के लिए वैसा खतरा नजर नहीं आया, जैसा मुसलमानों की जनसंख्या वृद्धि को लेकर दिखाई देता है।

नायडू के बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने एक कार्यक्रम में कहा था कि लोगों को 16 बच्चे पैदा करने चाहिए। यह बात उन्होंने सरकारी विवाह योजना के तहत 31 जोड़ों के विवाह समारोह में कही। स्टालिन का यह सुझाव नायडू द्वारा यह खुलासा किए जाने के एक दिन बाद आया है कि आंध्रप्रदेश में उनकी सरकार एक ऐसा कानून बनाने की योजना बना रही है, जिसके तहत केवल दो से अधिक बच्चों वाले लोगों को ही स्थानीय निकाय चुनाव लडने की अनुमति होगी। जनसंख्या के आधार पर संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों को फिर से परिभाषित करने की कवायद 2026 में होने वाली है। इससे लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढ़कर 753 हो जाएगी। दक्षिण में क्षेत्रीय दलों को डर है कि इससे अधिक आबादी वाले राज्यों में सीटों की संख्या में भारी उछाल आएगा, जबकि दक्षिण में यह वृद्धि मामूली होगी। इन दलों के नेताओं को लगता है कि पिछले कुछ दशकों में परिवार नियोजन के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए दक्षिणी राज्यों को दंडित किया जा रहा है क्योंकि जिन राज्यों में जनसंख्या का घनत्व अधिक है, उनका लोकसभा में प्रतिनिधित्व अधिक होगा। वर्ष 2026 में क्षेत्र पुनर्विभाजन हो सकता है, इस अनुमान और उस समय की अनुमानित जनसंख्या के आधार पर कहा जा सकता है कि पुनर्विभाजन में जनसंख्या नियंत्रण के कदम उठाने वाले दक्षिणी राज्यों को भारी नुकसान होगा, जबकि जनसंख्या नियंत्रण नहीं करने वाले हिंदी भाषी राज्य बड़ा फायदा उठाएंगे। उदाहरण के लिए, वर्तमान लोकसभा में हिंदी भाषी राज्यों की हिस्सेदारी 42 प्रतिशत है, जो विस्तारित लोकसभा में 48 प्रतिशत हो जाएगी। फ़ैमिली वेकेशन पैकेज

दक्षिण भारत के राज्यों की हिस्सेदारी 24 प्रतिशत से घटकर 20 प्रतिशत हो जाएगी। बाकी राज्यों की हिस्सेदारी भी 34 प्रतिशत से घटकर 32 प्रतिशत हो जाएगी। आजादी के बाद जब 1951 में पहली जनगणना हुई, तब देश की आबादी 36 करोड़ के आसपास थी। 1971 तक आबादी बढ़कर 55 करोड़ पहुंच गई। लिहाजा, सरकार ने 70 के दशक में फैमिली प्लानिंग पर जोर दिया। इसका नतीजा ये हुआ कि दक्षिणी राज्यों ने तो इसे अपनाया और आबादी काबू में की। मगर, उत्तर के राज्यों में ऐसा नहीं हुआ और आबादी तेजी से बढ़ती गई। ऐसे में उस समय भी दक्षिणी राज्यों की ओर से सवाल उठाया गया कि उन्होंने तो फैमिली प्लानिंग लागू करके आबादी कंट्रोल की और उनके यहां ही सीटें कम हो जाएंगी। सीटें कम होने का मतलब संसद में प्रतिनिधित्व कम होना। इसलिए विवाद हुआ। अभी तमिलनाडु की अनुमानित आबादी 7.70 करोड़ है और वहां लोकसभा की 39 सीटें हैं। जबकि, मध्य प्रदेश की आबादी 8.76 करोड़ है और यहां 29 लोकसभा सीटें हैं। परिसीमन होता है तो अभी की आबादी के हिसाब से मध्य प्रदेश में 87 लोकसभा सीटें हो जाएंगी और तमिलनाडु में 77 सीटें होंगी। सीटों की ये संख्या हर 10 लाख आबादी पर एक सांसद वाले फॉर्मूले के हिसाब से है। इसी तरह केरल की अनुमानित आबादी 3.59 करोड़ है। अभी यहां 20 लोकसभा सीटें हैं, वहीं उत्तर प्रदेश की आबादी 23.80 करोड़ है और यहां 80 सांसद हैं। अगर वही 10 लाख वाला फॉर्मूला लागू किया जाए तो केरल में लोकसभा सीटों की संख्या बढ़कर 35 या 36 होगी। जबकि, उत्तर प्रदेश में लोकसभा सीटों की संख्या 235 या उससे ज्यादा भी हो सकती है। इसी वजह से दक्षिणी राज्यों को आपत्ति है। उनका यही कहना है कि हमने आबादी नियंत्रित की, केंद्र की योजनाओं को लागू किया और उनके ही यहां लोकसभा सीटें कम हो जाएंगी। मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू को हर हाल में आंध्रप्रदेश में अपने वोट बैंक को मजबूत रखना है। मुख्यमंत्री नायडू को इससे फर्क नहीं पड़ता कि भाजपा उनके बारे में क्या सोचती है। नायडू से समर्थन लेने की गरज भाजपा की है, नायडू की नहीं। यही वजह है कि मुख्यमंत्री नायडू ने आंध्रप्रदेश में जब मुस्लिमों को मिला आरक्षण नहीं हटाए जाने की घोषणा की तब भी भाजपा से बोलते नहीं बन पड़ा। भाजपा को पता है कि नायडू से पंगा लेने का मतलब केंद्र सरकार का गिरना तय है। नायडू की पार्टी के 16 सांसदों का समर्थन केंद्र की भाजपा सरकार को हासिल है। इसलिए नायडू को भाजपा और केंद्र सरकार की परवाह नहीं है।

नायडू ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव के दौरान ही राज्य में मुस्लिम समुदाय को चार प्रतिशत आरक्षण देने के अपने रुख को दोहराया दिया था। चंद्रबाबू नायडू ने कहा था कि हम शुरू से ही मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण का समर्थन कर रहे हैं और यह जारी रहेगा। टीडीपी प्रमुख का यह बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा तेलंगाना के जहीराबाद में एक चुनावी रैली के दौरान दिए गए उस बयान के कुछ दिनों बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह धर्म के आधार पर दलितों, आदिवासियों और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का कोटा मुसलमानों को नहीं दिए जाने देंगे। गौरतलब है कि इसी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्नाटक की ओबीसी सूची में मुस्लिम समुदाय को शामिल किए जाने पर कांग्रेस के नेतृत्व वाली सिद्धारमैया सरकार के फैसले की निंदा की थी। मध्य प्रदेश की रैली में पीएम मोदी ने कांग्रेस को ओबीसी समुदाय का सबसे बड़ा दुश्मन करार दिया और कहा, एक बार फिर कांग्रेस ने पिछले दरवाजे से ओबीसी के साथ सभी मुस्लिम जातियों को शामिल करके कर्नाटक में धार्मिक आधार पर आरक्षण दिया है। इस कदम से ओबीसी समुदाय को आरक्षण के एक महत्वपूर्ण हिस्से से वंचित कर दिया गया है। रिकॉर्ड बताते हैं कि कर्नाटक में यह आरक्षण पहली बार 1995 में एचडी देवेगौड़ा की जनता दल द्वारा लागू किया गया था। दिलचस्प बात यह है कि चंद्रबाबू नायडू की पार्टी टीडीपी की तरह ही देवगौड़ा की जद (एस) अब भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सहयोगी है। भविष्य की राजनीति बचाने के लिए की जा रही नायडू और स्टालिन की कवायद से सवाल भी खड़े होते हैं। इसमें प्रमुख सवाल यही है कि क्या दोनों मुख्यमंत्री दो से ज्यादा बच्चे पैदा होने वाले बच्चे के पालन-पोषण का भार वहन करेंगे। क्या ऐसा करने वाले दंपत्ति को सरकार अतिरिक्त सुविधाएं मुहैया कराएगी। जब तक सरकार ऐसी जिम्मेदारी उठाने को तैयार नहीं होगी, तब तक इनकी सलाह मानने वाले परिवारों को तमाम बोझ उठाना पड़ेगा। दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने दो से अधिक बच्चे होने पर जिम्मेदारी उठाने का जिक्र तक नहीं किया।

अजब-गजब

क्या कौवे भी लेते हैं बदला? अगर एक बार इंसानों से मोल ली दुश्मनी, तो इतने सालों तक रखते हैं याद!

आपने कई ऐसी फिल्में देखी होंगी जिसमें जानवर उन इंसानों को याद रखते हैं जिन्होंने उन्हें चोट पहुंचाई या उनके परिवार को मार डाला। आपको लगेगा कि वो सिर्फ फिल्म होती है, जानवर बदला नहीं ले सकते। पर वैज्ञानिकों ने अब ऐसा दावा किया है, जिसे सुनकर आपके होश उड़ जाएंगे। एक्सपर्ट्स ने कौवों (Do crows take revenge) को लेकर बताया है कि वो भी बदला लेते हैं। अगर कभी उन्होंने इंसानों से दुश्मनी मोल ली, तो वो कई सालों तक याद रखते हैं।

डेली स्टार न्यूज वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार कौवे भी बदला लेते हैं। ऐसा बर्ड्स एक्सपर्ट्स ने दावा किया है। उनका मानना है कि अगर कौवों की दुश्मनी किसी इंसान से हो गई, तो वो करीब 17 सालों (Crow remember revenge for 17 years) तक याद रखते हैं और बदला लेने की कोशिश में लगे रहते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ वॉशिंगटन के प्रोफेसर जॉन मारजलुफ एक एनवायरोमेंटल साइंटिस्ट हैं। उन्होंने काफी शोध के बाद बदला लेने वाले कौवों पर जानकारी जुटाई है।

उन्होंने 2006 में एक एक्सपेरिमेंट किया था, जिसके जरिए उन्होंने टेस्ट किया कि क्या कौवों भी बदला ले सकते हैं? उन्होंने एक दैत्य का मास्क पहन लिया और फिर 7 कौवों को एक जाल में फांसकर पकड़ लिया। उन्होंने पक्षियों के ऊपर पहचान के लिए बैंड बांध दिए थे। कुछ ही पल में उन्होंने बिना चोट पहुंचाए कौवों को आजाद भी कर दिया। पर जॉन ने दावा किया कि छूटने के बाद भी उन कौवों ने उनका पीछा नहीं छोड़ा। जब भी वो मास्क पहनकर यूनिवर्सिटी कैंपस में निकलते, कौवे उनके ऊपर हमला कर देते।

उन्होंने अपने शोध से पाया कि पक्षियों के दिमाग में भी एक ऐसा हिस्सा होता है, जो स्तनधारियों के एमिगडाला से मिलता जुलता है। एमिगडाला, दिमाग का वो हिस्सा है, जो इमोशन्स को प्रोसेस करता है। उन्हें ये देखकर हैरानी हुई कि पक्षी, इंसानों की छोटी से छोटी हरकत पर भी गौर करते हैं, यहां तक कि चेहरे भी पहचानते हैं। सबसे ज्यादा हैरानी की बात ये है कि उन कौवों के झुंड में बाकी कौवे भी उनके ऊपर हमला करने लगे। ये सिलसिला 7 सालों तक चलता रहा। 2013 के बाद से ऐसा हुआ कि कौवों की हिंसा कम होती गई। पिछले साल सितंबर में जब वो टहलने निकले, तब इस घटना को 17 साल हो चुके थे। तब पहली बार ऐसा हुआ कि वो मास्क पहनकर निकले और कौवों ने उन्हें देखकर न आवाज लगाई न ही हमला किया। अब प्रोफेसर जॉन अपने शोध को पब्लिश करने की योजना बना रहे हैं।

ब्लॉग

भारत के आर्थिक विकास में जनजाति समाज का है भरपूर योगदान

प्रह्लाद सबनानी

भारत भूमि का एक बड़ा हिस्सा वनों एवं जंगलों से आच्छादित है। भारतीय नागरिकों को प्रकृति का यह एक अनोखा उपहार माना जा सकता है। इन वनों एवं जंगलों की देखभाल मुख्य रूप से जनजाति समाज द्वारा की जाती रही है। जनजाति समाज की विकास यात्रा अपनी भूख मिटाने एवं अपने को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से केवल वनों के इर्द गिर्द चलती रहती है। वास्तविक अर्थों में इसीलिए जनजाति समाज को धरतीपुत्र भी कहा जाता है। प्राचीन काल से केवल प्रकृति ही जनजाति समाज की सम्पत्ति मानी जाती रही है, जिसके माध्यम से उनकी सामाजिक, आर्थिक एंव पारिस्थितिकीय आवश्यकताओं की पूर्ति होती रहती है। ऐसा कहा जाता है कि अनादि काल से जनजाति संस्कृति व वनों का चोली दामन का साथ रहा है और जनजाति समाज का निवास क्षेत्र वन ही रहे हैं। इस संदर्भ में यह भी कहा जा सकता है कि वनों ने ही जनजातीय जीवन एंव संस्कृति के उद्भव, विकास तथा संरक्षण में अपनी आधारभूत भूमिका अदा की है। भील वनवासियों का जीवन भी वनों पर ही आश्रित रहता आया है। जनजाति समाज अपनी आजीविका के लिए वनों में उत्पन्न होने वाली विभिन्न प्रकार की वस्तुओं का उपयोग करते रहे हैं।

भारतीय वन क्षेत्रों में पाए जाने वाले प्रमुख वनस्पतियों, पेड़ों एवं उत्पादित वस्तुओं में शामिल रहे हैं बबूल, बेर, चन्दन, धोक, धामन, धावडा, गुदी, हल्दू, इमली, जामुन, कजरी, खेजडी, खेडा, कुमटा, महुआ, नीम, पीपल, सागवान, आम, मुमटा, सालर, बानोटीया, गुलर, बांस, अरीठा, आंवला, गोंद, खेर, केलडी, कडैया, आवर, सेलाई वृक्षों से करा, कत्था, लाख, मौम, धोली व काली मुसली, शहद, आदि। इनमें से कई वनस्पतियों की तो औषधीय उपयोगिता है। कुछ जड़ी बूटियों जैसे आंवला का बीज, हेतडी, आमेदा, आक, करनीया, ब्राह्मी, बोहडा, रोंजडा, भोग पत्तियां, धतुरा बीज, हड, भुजा, कनकी बीज, मेंण, अमरा, कोली, कादां, पडूला, गीगचा, इत्यादि का उपयोग रोगों के निवारण के लिए किया जाता रहा है। आमेदा के बीजों को पीसकर खाने से दस्त बंद हो जाते हैं। अरण्डी के तेल से मालिश एंव पत्तों को गर्म करके कमर में बांधने से दर्द कम हो जाता है। बुखार को ठीक करने के लिए कड़ा वृक्ष के बीजों को पीस कर पीते हैं। जोडों में दर्द ठीक करने के लिए ग्वार व सैजने के गोंद का उपयोग करते हैं। फोडे फुन्सियों एवं चर्म रोग को ठीक करने के लिए नीम के पत्तों को उबालकर पीते हैं। इसके अलावा तुलसी, लौंग, सोठ, पीपल, काली मिर्च का उपयोग बुखार एवं जुखाम ठीक करने के लिए किया जाता है।

शुरुआती दौर में तो जनजाति समाज उक्त वर्णित वनस्पतियों एवं उत्पादों का उपयोग केवल स्वयं की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए ही करते रहे हैं परंतु हाल ही के समय में इन वनस्पतियों का उपयोग व्यावसायिक रूप से भी किया जाने लगा है। व्यावसायिक रूप से किए जाने वाले उपयोग का लाभ जनजाति समाज को न मिलकर इसका पूरा लाभ समाज के अन्य वर्गों के लोग ले रहे हैं। उक्त वनस्पतियों एवं उत्पादों का व्यावसायिक उपयोग करने के बाद से ही प्रकृति का दोहन करने के स्थान पर शोषण किया जाने लगा है क्योंकि कई उद्योगों द्वारा उक्त उत्पादों का कच्चे माल के रूप में उपयोग किया जाने लगा है। इससे ध्यान में आता है कि जनजाति समाज द्वारा देश की अर्थव्यवस्था में विकास को गति देने के उद्देश्य से अपनी भूमिका का निर्वहन तो बहुत सफल तरीके से किया जाता रहा है परंतु अर्थव्यवस्था के विकास का लाभ जनजातियों तक सही मात्रा में पहुंच नहीं सका है।

हालांकि भारत में प्राचीन काल से ही जनजाति समाज जंगलों में अपना जीवन यापन करता रहा है और वनोपज (जैसे मध्यप्रदेश में तेन्दु पत्ता को एकत्रित करना) को एकत्रित करता रहा है परंतु अब धीरे धीरे अपने आप को यह समाज कृषि कार्य एवं पशुपालन जैसे अन्य कार्यों में भी संलग्न करने लगा है। जनजाति समाज ने बिना किसी भय के सघन वनों में जंगली जानवरों व प्राकृतिक आपदाओं से लड़ते हुए अपने जीवन को संघर्षमय बनाया है। जनजाति समाज ने कृषि कार्य के लिए सर्वप्रथम जंगलों को काटकर जलाया। भूमि साफ कर इसे कृषि योग्य बनाया और पशुपालन को प्रोत्साहन दिया। विकास की धारा में आगे बढ़ते हुए धीरे-धीरे विभिन्न गावों एवं कस्बों का निर्माण किया।

आज भी जनजाति समाज की अधिकांश जनसंख्या दुर्गम क्षेत्रों में निवास करती है। इन इलाकों में संचार माध्यमों का अभाव है। हालांकि धीरे धीरे अब सभी प्रकार की सुविधाएं इन सुदूर इलाकों में भी पहुंचाई जा रही हैं। परंतु, अभी भी जनजातीय समाज कृषि सम्बन्धी उन्नत विधियों से अनभिज्ञ है। सिंचाई साधनों का अभाव एवं उपजाऊ भूमि की कमी के कारण ये लोग परम्परागत कृषि व्यवस्था को अपनाते रहे हैं और इनकी उत्पादकता बहुत कम है।

जनजाति समाज ने वनों के सहारे अपनी संस्कृति को विकसित किया। घने जंगलों में विचरण करते हुए उन्होंने जंगली जानवरों शेर, भालु, सुअर, गेंडे, सर्प, बिच्छु आदि से बचने के लिए आखेट का सहारा लिया। वनों एवं पहाडियों के आन्तरिक भागों में रहते हुए भील समाज शिकार करके अपनी आजीविका चलाता रहा है। भील समाज जंगलों में झूम पद्धति से खेती, पशुपालन, एवं आखेट कर अपने परिवार का पालन पोषण करते रहे हैं।

घने जंगलों में जनजाति समाज को प्रकृति द्वारा, स्वछंद वातावरण, स्वच्छ जल, नदियां, नाले, झरने, पशु पक्षियों का कोलाहल, सीमित तापमान, हरियाली, आर्द्रता, समय पर वर्षा, मिटटी कटाव से रोक, आंधी एंव तूफानों से रक्षा, प्राकृतिक खाद, बाढ़ पर नियंत्रण, वन्य प्राणियों का शिकार व मनोरंजन इत्यादि प्राकृतिक रूप से उपलब्ध कराया जाता रहा है। इसी के चलते जनजाति समाज घने जंगलों में भी बहुत संतोष एवं प्रसन्नता के साथ रहता है। जनजाति समाज आज भी भारतीय संस्कृति का वाहक माना जाता है क्योंकि यह समाज सनातन हिंदू संस्कृति का पूरे अनुशासन के साथ पालन करता पाया जाता है। जनजाति समाज आज भी आधुनिक चमक दमक से अपने आप को बचाए हुए है। इसके विपरीत शहरों में रहने वाला समाज समय समय पर भारतीय परम्पराओं में अपनी सुविधानुसार परिवर्तन करता रहता है। हाल ही के समय में अत्यधिक आर्थिक महत्वकांक्षा के चलते वनों का अदूरदर्शितापूर्ण ढंग से शोषण किया जा रहा है। विश्व पर्यावरण एवं विकास आयोग के अनुसार विश्व में प्रतिवर्ष 110 लाख हैक्टर भूमि के वन नष्ट किये जा रहे है। पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार प्रत्येक देश में उपलब्ध भूमि के लगभग 33 प्रतिशत भाग पर वन होना आवश्यक है। यदि वनों का इस प्रकार कटाव होता रहेगा तो जनजाति समाज पर विपरीत प्रभाव पड़ना स्वाभाविक ही है। भारत द्वारा इस संदर्भ में कई प्रयास किए जा रहे हैं। देश में वनों के कटाव को रोकने के लिए वर्ष 2015 एवं 2017 के बीच देश में पेड़ एवं जंगल के दायरे में 8 लाख हेक्टेयर भूमि की वृद्धि दर्ज की है। साथ ही, भारत ने वर्ष 2030 तक 2.10 करोड़ हेक्टेयर जमीन को उपजाऊ बनाने के लक्ष्य को बढ़ाकर 2.60 करोड़ हेक्टेयर कर दिया है ताकि वनों के कटाव को रोका जा सके।

भारत में सम्पन्न हुई वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में अनुसूचित जनजातियों की कुल जनसंख्या 10.43 करोड़ है, जो भारत की कुल जनसंख्या का 8.6 प्रतिशत है। जनजाति समाज को देश के आर्थिक विकास में शामिल करने के उद्देश्य से केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही हैं ताकि इस समाज की कठिन जीवनशैली को कुछ हद तक आसान बनाया जा सके।

हाथरस से दिल्ली तक मौत से जंग... पेट में ब्लेड, बैटरी समेत 65 चीजें; 14 साल के आदित्य की मौत झकझोर देगी

आर्यावर्त संवाददाता

हाथरस। यूपी के हाथरस के निवासी 14 वर्षीय लड़के की दर्दनाक मौत हो गई। डॉक्टरों ने अपनी ओर से उस बच्चे को बचाने की भरसक कोशिश की लेकिन होनी को शायद कुछ और ही मंजूर था। इस टीनेजर की मौत से परिजन सदमें में है। जिसको भी उसकी मौत की वजह पता चली हो हैरान है कि आखिर ऐसा कैसे हो सकता है। इस बच्चे को बचाने के लिए परिजन उसे यूपी से दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल लाए थे। जहां के डॉक्टरों ने करीब पांच घंटे तक चली एक बेहद मुश्किल ऑपरेशन किया। डॉक्टरों ने सर्जरी के दौरान उसके पेट से बैटरी, चेन, रेजर ब्लेड के टुकड़े और स्क्रू समेत करीब 65 चीजें निकाल दी थीं, इसके बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका।

डॉक्टर भी रह गए दंग

हाथरस की रत्नगर्भा कॉलोनी निवासी और नौवीं क्लास में पढ़ने वाले छात्र के पेट में घड़ी में लगने वाले सेल, ब्लेड के टुकड़े सहित 56 सामान बरामद हुए हैं। पेट में ब्लेड मिलने के बाद भी उसके गले में कोई घाव नहीं था, जिसे देख डॉक्टर्स भी हैरान रह गए।

टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक मृतक छात्र के पिता हाथरस में एक फार्मा फर्म में मेडिकल प्रतिनिधि हैं। उन्होंने बताया कि गत 13 अक्तूबर को बेटे के पेट में दर्द होने के साथ सांस लेने में उसे दिक्कत हो रही थी। वह उसे एक निजी अस्पताल ले गए। जहां से उसे रेफर कर दिया गया। पहले उसे आगरा ले गए। जहां कुछ दिन के इलाज के बाद उसे घर भेज दिया गया। घर पर आने के बाद बच्चे को 19 अक्तूबर को फिर से सांस लेने में दिक्कत हुई थी।

बच्चे के पिता उसे जयपुर, अलीगढ़, नोएडा और दिल्ली तक ले गए। लेकिन 28 अक्टूबर की रात को आदित्य की मृत्यु हो गई। परिजनों का कहना है कि यह सब एक महीने के भीतर हुआ। उनके बच्चे को कभी कोई शारीरिक या मानसिक बीमारी नहीं थी। एक बच्चे की मौत की ये कहानी जानकर लोग हैरान हैं कि ऐसा कैसे हो सकता है।

अब घर बैठे बनवा पाएंगे जीवन प्रमाण पत्र, रुपए भी लगेंगे कम

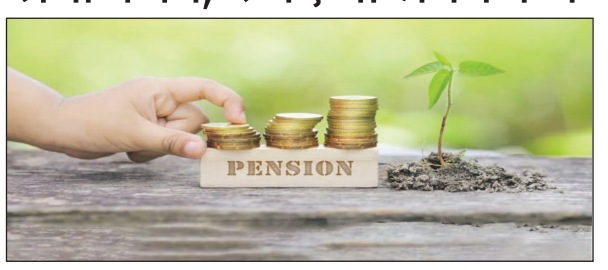

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। भारतीय डाक विभाग की इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक ने पेंशनर्स की सुविधा के लिए बायोमेट्रिक से जीवन प्रमाण पत्र बनाने का अभियान शुरू किया है। इसके तहत 30 नवंबर तक घर बैठे पेंशनर्स के जीवन प्रमाण पत्र बनाए जाएंगे।

बरेली मंडल के कार्यवाहक प्रवर डाक अधीक्षक धर्मेश गगनेजा ने बताया कि डाक विभाग सभी पेंशनधारकों को घर बैठे ही डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बनाने की सुविधा देगा। इससे सभी पेंशनर्स विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वालों को आसानी से जीवन प्रमाणपत्र जमा करने और प्राप्त करने की सुविधा मिलेगी। इस सुविधा के लिए विभाग ने मंडल के बरेली और पीलीभीत जिले में 380 ब्रांच पोस्टमास्टर को तैनात किया गया है। डाकघरों में भी विशेष शिविर लगाए जाएंगे। पेंशनर्स को जीवन प्रमाण पत्र बनवाने के लिए कोई सरकारी दस्तावेज नहीं देना होगा। यह सेवा बायोमेट्रिक पर आधारित होगी। पेंशनर्स के घर पर ही अंगुली के निशान और चेहरे की पहचान कर सुविधा दी जाएगी। इस सुविधा के लिए पेंशनर्स को 70 रुपये शुल्क देना होगा।

यूपी में अपराधियों का 'इलाज' जारी, एनकाउंटर के बाद इस शहर में दिखी 'ऑपरेशन लंगड़ा' की झांकी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। यूपी में बदमाशों के खिलाफ ऑपरेशन लंगड़ा जारी है. लखनऊ से लेकर नोएडा तक अपराधियों के साथ पुलिस की मुठभेड़ हुई. जिसमें बदमाशों को गोलियां लगी हैं. पुलिस टीम की लखनऊ, मऊ, संभल और नोएडा में अपराधियों से मुठभेड़ हुई, जिसमें वॉन्टेड अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है. लखनऊ में पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़ हुई है. यूपी पुलिस के ऑपरेशन लंगड़ा की अगली फेहरिस्त सामने आई लखनऊ से जहां अचानक पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई. इसके बाद अपराधियों की बाइक और बंदूक दोनों रोड़ पर पड़ी नजर आई.

पुलिस और बदमाशों के बीच एनकाउंट तब हुआ जब पुलिस चेकिंग चल रही थी. बाइक पर सवार तीन अपराधियों ने भागने की कोशिश की. पुलिस ने खदेड़ा तो फायरिंग शुरू कर दी. जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने एक अपराधी के पैर में गोली में गोली मार दी और थोड़ी ही देर में उन्होंने दो अपराधियों को दौड़ाकर पकड़ लिया.

महिलाओं की चैन नोचकर भाग जाते थे, पुलिस ने 'इलाज' कर दिया

तीनों बदमाश चैन स्नैचिंग के आरोपी हैं. जिनके ऊपर कई मुकदमें पहले से ही दर्ज हैं. पुलिस के रिकॉर्ड में उनकी लंबे वक्त से तलाश थी. लखनऊ की पुलिस ने इनके पास से दो सोने के चेन का टुकड़ा, एक गला हुआ सोने का टुकड़ा, दो जिंदा कारतूस, दो खोखे कारतूस और एक मोटरसाइकिल भी बरामद की है.

धूमधाम सें मनाया गया भैया दूज : बहनों ने तिलक लगाकर भाइयों की लंबी उम्र की कामना किया

बस्ती। बहन-भाई के अटूट प्रेम को समर्पित भैया दूज का त्योहार पूरे जिले में रविवार को धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने भाई को तिलक कर भगवान से उनकी लंबी उम्र, सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। कहीं बहनें अपने भाइयों के घर भाई दूज मनाने के लिए पहुंचीं, तो कहीं भाई अपनी बहनों के घर पहुंचे। हरैया के भदासी निवासी बहन कोमल ने अपने भाई विशाल कान्त पाण्डेय, विकास कान्त पाण्डेय और विवेक कान्त पाण्डेय को रोली, चावल से तिलक किया, आरती उतारी और मिठाई खिलाई। साथ ही भाई की सुख, समृद्धि और लंबी उम्र की कामना की। हरैया नगर पंचायत के मंगल पाण्डेय वार्ड निवासी बहन दिशा, मौली, मिष्टी ने अपने भाई अथर्व और शिवाय को तिलक आरती करके उनके सुख समृद्धि और लंबी उम्र की कामना किया।

'हर गिरफ्तारी या हिरासत में लिया जाना कस्टडी में टॉर्चर के समान नहीं', इलाहाबाद हाई कोर्ट ने फैजल को दिया झटक

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश की इलाहाबाद हाई कोर्ट ने पुलिस हिरासत को लेकर बड़ी टिप्पणी की है। हाई कोर्ट ने महाराजगंज के शाह फैजल की ओर से दायर रिट याचिका को खारिज करते हुए कहा कि हर गिरफ्तारी और हिरासत में यातना नहीं होती। शाह फैजल ने पुलिस के खिलाफ रिट याचिका दायर की थी। इसमें पुलिस की गिरफ्तारी और कस्टडी में लिए जाने को टॉर्चर करार देते हुए उनके खिलाफ कथित अमानवीय कृत्य के लिए यूपी सरकार से मुआवजे की मांग की गई थी।

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने शाह फैजल की याचिका को खारिज कर दिया। यह देखते हुए कि याचिकाकर्ता के खिलाफ मामला दर्ज है, कोर्ट ने कहा कि मुआवजा देने के लिए आपराधिक रिकॉर्ड वाले व्यक्तियों की ओर से मानवाधिकारों के उल्लंघन के दावों को नियमित रूप से स्वीकार

करना विवेकपूर्ण नहीं हो सकता है। अगर ऐसा करने की अनुमति दी जाती है तो यह एक गलत प्रवृत्ति को जन्म देगा।

हिरासत में यातना का कोई सबूत नहीं

हाई कोर्ट ने साफ कहा कि इस प्रकार के मामलों को स्वीकार करने से अलग स्थिति उत्पन्न होगी। गिरफ्तार या पूछताछ के लिए हिरासत में लिया जाने वाला हर अपराधी पुलिस अधिकारियों की कार्रवाई के खिलाफ भारी मुआवजे की मांग करते हुए याचिका दायर करेगा। हाई कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता के पास आरोपित पुलिसकर्मियों के खिलाफ हिरासत में यातना का कोई सबूत नहीं है।

पुलिस पर लगाया था आरोप

शाह फैजल ने अपनी याचिका में आरोप लगाया था कि महाराजगंज के परतावल पुलिस चौकी के दो पुलिसकर्मी उसे चौकी ले गए। वहां एक एसआई और एक कांस्टेबल ने उससे 50 हजार रुपये मांगे। उसे धमकी दी कि ऐसा न करने पर उसे आपराधिक मामले में फंसा दिया जाएगा। शाह फैजल ने आरोप लगाया कि जब उसने रुपये देने में असमर्थता जताई तो उसे हवालात में पीटा गया।

फैजल पर दर्ज है केस

शाह फैजल ने कहा कि वह अगले दिन पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने श्याम देवरवा थाने गया। बाद में एसपी से भी संपर्क किया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। हाई कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता के खिलाफ एक एफआईआर दर्ज है, जिसमें उस पर एक व्यक्ति को रॉड से पीटने का आरोप है। उसे उक्त मामले के संबंध में पूछताछ के लिए थाने बुलाया गया था।

संविधान मेला के मद्देनजर चलाया जा रहा है जागरूकता अभियान

प्रयागराज। डा. अम्बेडकर वेलफेयर नेटवर्क (डान) के तत्वावधान में 26 नवंबर को संविधान दिवस के पावन अवसर पर सिविल लाइन स्थित धरना प्रदर्शन स्थल पर संविधान मेला व संविधान महोत्सव-2024 का आयोजन किया जा रहा है। इस मेला में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। डान के संस्थापक उच्च न्यायालय के अधिवक्ता आईपी रामबृज के मुताबिक, बहुजन बाहुल्य बस्तियों में जाकर अधिवक्ताओं, समाज सेवियों की टीम संविधान प्रदत्त अधिकारों के विषय मे जानकारी देकर बहुजन समाज को जागरूक किया जा रहा है ताकि लोग अपने हक के प्रति आवाज उठा सकें। आजादी का अमृत महोत्सव की तरह संविधान दिवस की पचहत्तरवीं वर्षगांठ मानायें जाने में अभी दो वर्ष शेष बचे है क्या केन्द्र और राज्य की सरकारे अपने सत्ता के दौरान संविधान के अनुच्छेद-13, 15, 17, 38 (क), 39 (ख) और अनुच्छेद- 290 का शतप्रतिशत पालन कराने में या तो फेल हुई है।

अबकी पैर में गोली लगी, अगली बार भेजे में मारेंगे... संभल एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने दिखाया 'सिंघम' अवतार

आर्यावर्त संवाददाता

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल में पुलिस ने मंदिर में घंटा चुराने वाले चोर को एनकाउंटर में घायल कर पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपी के पैर में गोली मारी, जिसके बाद उसका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस दौरान संभल के एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई का स्ट्रेचर पर आरोपी से बातचीत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें एसपी चोर से कहते नजर आ रहे हैं कि अगर अगली बार चोरी की तो पैर में नहीं सीधे भेजे में गोली मारेंगे।

वायरल वीडियो में एसपी बिश्नोई ने आरोपी से पूछा कि मंदिर में घंटा चोरी क्यों करते हो। अगर आगे इसे चोरी की तो इस बार पैर में गोली लगी, अगली बार भेजे में लगेगी। एसपी ने दोबारा चोरी से पूछा कि कहां लगेगी गोली तो चोर बोला- 'भेजे में लगेगी।' आरोपी एसपी के सामने कान पकड़कर माफी मांगता भी नजर आ रहा है।

पुलिस को देख भागने लगा था शानू

गौरतलब है कि संभल के एक मंदिर में गत 27 अक्टूबर को घंटा चोरी की वारदात सामने आई थी। आरोपी की पहचान बदायूं के रहने वाले शानू के रूप की गई है। वह पहले भी चोरी की कई घटनाओं को अंजाम दे चुका है। रविवार सुबह पुलिस वाहनों का चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान शानू बाइक से आया और पुलिस को देखकर भागने लगा। एनकाउंटर में उसके पैर में गोली लगी।

खेत में दीप जलाने के लेकर चला लाठी-डंडा, एक की मौत

प्रयागराज। उतरांव थाना क्षेत्र के आरा कला कजरीगढ़ में दीपावली के दिन बृहस्पतिवार रात दीप जलाने के विवाद में एक पक्ष ने लाठी-डंडे और गड़ासे से हमलाकर पांच लोगों घायल कर दिया था। इनमें से एक युवक की हालत गंभीर बनी थी। पुलिस ने 10 लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। रविवार को इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई। इस मामले में दर्ज मारपीट के मुकदमे को हत्या की धारा में तरमीम कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि आरा कला के कजरीगढ़ निवासी दिलीप कुमार दुबे के परिवार के लोग दीपावली के दिन दीप जलाकर रखने जा रहे थे। तभी गांव के रविशंकर, ध्रुवशंकर, दारा सिंह, राम अभिलाष सहित दर्जन भर लोग मौके पर पहुंचे और दीप जलाने का विरोध करते हुए गालीगलौज करने लगे। दिलीप के भाई पवन दुबे ने गालीगलौज का विरोध किया तो आरोपियों ने लाठी-डंडे सरिया व गड़ासे से उन पर हमला कर दिया।

यूपी में बंद हो जाएंगे 27 हजार प्राइमरी स्कूल? सरकार क्यों उठा रही इतना बड़ा कदम

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश से बहुत बड़ी खबर सामने आ रही है। यूपी सरकार ने अपने नए फैसले में 27000 बेसिक स्कूलों को बंद कर सकती है। यह फैसला डीजी द्वारा हाल ही में ली गई समीक्षा बैठक के बाद लिया गया है। इसके लिए शिक्षा विभाग ने लगभग सारी तैयारी कर ली है। जानकारी के अनुसार विभाग फिलहाल उन बेसिक स्कूलों को बंद करने की तैयारी में है। जहां पढ़ने वाले छात्रों की संख्या पचास से कम है। स्कूल बंद करने के बाद वहां पढ़ने वाले छात्रों को नजदीकी स्कूलों में एडजस्ट किया जाएगा। डीजी के द्वारा ली गई समीक्षा बैठक में इस निर्णय के बारे में सभी जिलों के बीएसए को निर्देशित किया जा चुका है।

डीजी कंचन वर्मा की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में ऐसे सभी स्कूलों को मर्ज करने का निर्देश दिया गया है। डीजी के निर्देश के अनुसार

यूपी के सारे ऐसे परिषदीय स्कूल जहां 50 से कम छात्र पढ़ते हैं। उनका दूसरे स्कूलों में विलय किया जाएगा। इसके लिए सभी जिलों के बेसिक शिक्षा अधिकारी 14 नवंबर तक अपनी रिपोर्ट तैयार करेंगे। सरकारी आंकड़ों के अनुसार राज्य में कुल मिलाकर 27,764 परिषदीय स्कूलों हैं। जहां 50 से भी कम विद्यार्थी पढ़ाई करने आते हैं।

डीजी ने 23 अक्टूबर को शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक की थी। बैठक में उन्होंने कहा कि भारत सरकार स्कूलों को पूरी तरह से व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में सफल होने के लिए व्यावहारिक बनाने की दिशा में कदम उठा रही है। इसलिए जिस स्कूल में कम छात्र पढ़ते हैं। उनका विलय नजदीकी स्कूलों के साथ किया जाएगा। इसके बाद डीजी ने सभी स्कूलों को निर्देश दिया कि 50 से कम छात्र वाले बेसिक स्कूलों के आंकड़ों और प्राथमिकता को आधार मानते हुए सारी तैयारी पूरी की जाए। शिक्षा अधिकारियों को दिए निर्देश में डीजी ने कहा कि विलय स्कूल के नजदीकी स्कूल में ही किया जाए।

खाद की कालाबाजारी रोकने के लिए सीमा पर निगरानी तेज, व्यवस्था ऐसी कि याद आ जाएगा मतदान

आर्यावर्त संवाददाता

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा में खाद वितरण की व्यवस्था को दुरुस्त बनाने की रणनीति तैयार की गई है। बुंदेलखंड के इस इलाके में रबी की बुआई किसानों ने शुरू कर दी हैं। हालांकि, इस बीच किसानों को डीएपी खाद की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, अधिकारियों की लापरवाही से बफर गोदाम और बिक्री केंद्र भी खाद से खाली हैं। खाद की कालाबाजारी की संभावना को देखते हुए शासन के निर्देश पर मध्य प्रदेश सहित आसपास के जिलों की सीमा में निगरानी तेज कर दी गई है।

इसके लिए बांदा डीएम ने एसडीएम और सीओ की अगुवाई में तीन सदस्यीय टीम बनाई है। सभी तहसीलों में यह सीमा के खाद बिक्री केंद्रों में स्टॉक का नियमित सत्यापन करेगी। कहीं भी कालाबाजारी की शिकायत मिली तो प्रभारी और लिप्त लोगों पर एफआईआर दर्ज होगी। यूपी सरकार के प्रमुख सचिव (कृषि अनुभाग-2) ने प्रदेश की अंतर्राज्यीय सीमाओं के समीपवर्ती जिलों में उर्वरकों की आपूर्ति और वितरण पर सघन निगरानी के निर्देश जारी किए हैं।

कमिटी का हुआ है गठन

प्रमुख सचिव के निर्देश के तहत रबी सीजन की फसलों की बुआई के चलते किसानों की ओर से उर्वरकों की बढ़ती मांग को देखते हुए यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि सीमावर्ती क्षेत्रों से अन्य राज्यों के किसानों को उर्वरक न बेची जाएं। इसके लिए कमेटी का गठन किया गया है। इसमें उप जिलाधिकारी (सदर, अतर्रा और नरैनी) और क्षेत्रीय कृषि विस्तार अधिकारियों के साथ पुलिस विभाग के अधिकारी शामिल हैं।

अवैध परिवहन पर भी निगरानी

यह कमेटी समय-समय पर जांच कर रिपोर्ट करेगी ताकि उर्वरकों की बिक्री राज्य के किसानों के लिए उनकी जोत बही, खतौनी, और फसल संस्तुतियों के आधार पर हो। सीमा चौकियों पर भी विशेष निगरानी रखी जा रही है ताकि उर्वरकों का अवैध परिवहन रोका जा सके। इसके लिए कृषि, पुलिस और प्रशासनिक विभागों के सचल दल गठित किए गए हैं। वे समय-समय पर निरीक्षण कर रहे हैं।

अवैध गतिविधियों में संलिप्त पाए गए व्यक्तियों पर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस और स्टेट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो की सहायता से सीमाओं पर सतर्कता बढ़ाई गई है, ताकि अवैध परिसंचलन में संलिप्त असामाजिक तत्वों पर आवश्यक अधिनियमों के तहत कठोर कार्रवाई हो सके।

टॉप -20 विक्रेताओं की समीक्षा

प्रदेश के बाहर के किसानों को उर्वरक बेचने वाले विक्रेताओं पर भी विशेष नजर रखी जा रही है। उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985, आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955, और उर्वरक परिसंचलन नियंत्रण आदेश 1973 के प्रावधानों के तहत ऐसे विक्रेताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की योजना है।

हर माह यूरिया और डीएपी के टॉप-20 विक्रेताओं की नियमित समीक्षा की जाएगी। इससे यह देखा जा सकेगा कि बिना जोत बही या खतौनी के किसी अन्य राज्य के किसानों को उर्वरक बेची तो नहीं गई है।

फसलों के अनुसार विश्लेषण

इसके अतिरिक्त, जिला स्तर पर फसलों के अनुसार उर्वरकों की मांग का विश्लेषण भी किया जा रहा है। यदि मांग के पैटर्न के विपरीत असामान्य बिक्री होती है, तो विशेष टीम गठित कर उन सीमावर्ती विक्रय केंद्रों की जांच की जाएगी और दोषियों पर कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी।

इस संबंध में जिला अधिकारी नगेंद्र प्रताप का कहना है कि मध्य प्रदेश के किसानों को खाद बेचने तथा वहां के किसानों को निर्धारित सीमा से ज्यादा खाद बेचने वाले केंद्र प्रभारी रडार पर हैं। यदि वह अनियमितता में पकड़े गए तो उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।

भारत – नेपाल सीमा पर आपरेशन कवच के तहत जारी है ज्वाइंट पेट्रोलिंग

आर्यावर्त संवाददाता

बस्ती। देश विरोधी तत्वों व तस्करों पर नजर रखने के लिए पुलिस भारत-नेपाल सीमा लगातार ज्वाइंट पेट्रोलिंग अभियान चलाया जा रहा है। आपरेशन कवच के तहत बार्डर क्षेत्र में 10 वर्ष के भीतर हुए अपराधों की जानकारी एकत्र कराई जा रही है और इस पर अंकुश लगाने के लिए जरूरी उपाय किए जा रहे हैं सीमाई क्षेत्र में होने वाली घटनाओं में पुलिस की कार्यप्रणाली का फीड बैक भी लिया जा रहा है। यह बातें रविवार को सर्किट हाऊस बस्ती में पत्रकारों के बातचीत करते हुए एडीजी जोन डा.केएस प्रताप कुमार ने कही।लक्ष्मी प्रतिमा विसर्जन व छठ त्योहार की तैयारियों का जायजा लेने आए एडीजी जोन ने कहा कि अभी पिछले पखवारे दुर्गा प्रतिमाओं की बस्ती पुलिस ने सकुशल विसर्जन कराया था।लक्ष्मी प्रतिमा विसर्जन की तैयारी अच्छी है।छठ पूजा की आवाशयक तैयारी समय रहते पूरी कर ली जाए। पर्व के समापन के बाद जोन में शासन की मंशा के अनुरूप शुरू किए गए अभियान को प्राथमिकता के साथ चलाये जाने पर जोर दिया जाएगा। टापटेन अपराधियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जाएगा। सभी टाप टेन का फिर एक बार नवीनीकरण किया जाएगा ।आपरेशन कनविक्शन के तहत मजबूत साक्ष्य के साथ पैरवी करा कर अपराधियों को कोर्ट से लगातार सजा दिलाया जा रहा है थानों पर अपनी फरियाद लेकर जाने वाले पीड़ितो की बातों को सुनने के साथ ही संवेदनशीलता के साथ बिना किसी भेदभाव के प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।महिला संबंधी अपराधों पर त्वरित कार्यवाही की जाएगी, भूमि विवाद के मामलों में राजस्व विभाग से समंवय बनाकर तहसील दिवस व थाना दिवस के प्रार्थना पत्रों का निस्तारण किया जाएगा।

खुद को रखना है हमेशा खुश, तो आज ही अपना लें ये 5 आदतें

लाइफ में बहुत तरह के उतार-चढ़ाव आते और जाते रहते हैं। लेकिन कुछ लोग ऐसे हैं जो हर छोटी से छोटी बात को लेकर बहुत ज्यादा सोचने लग जाते हैं। लेकिन इससे आपकी मेंटल हेल्थ पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए अगर आप खुश रहना चाहते हैं तो आपको इन आदतों को अपनाने की जरूरत है।

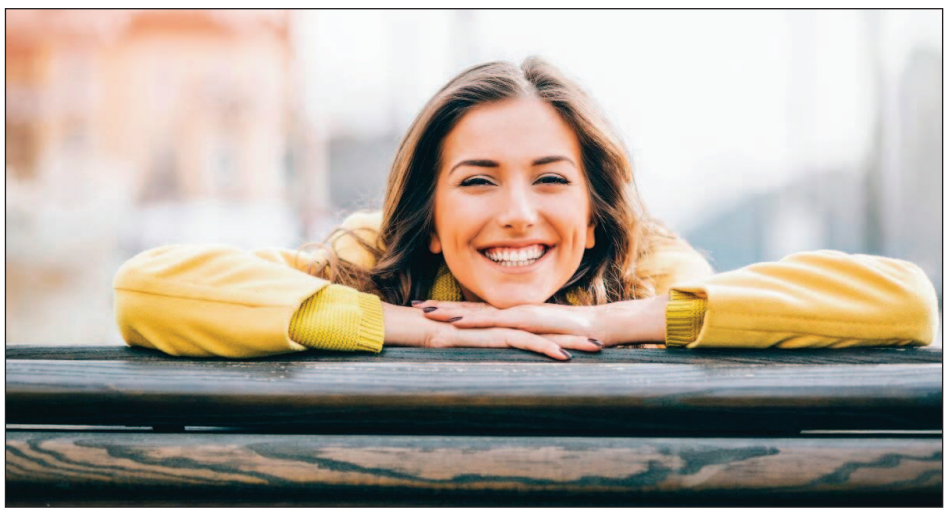

आजकल भागदौड़ से भरी जिंदगी में लोग काम में बहुत ज्यादा व्यस्त रहते हैं। जिसमें कई तरह की परेशानियों के चलते व्यक्ति को स्ट्रेस होने लगता है। लेकिन कुछ लोग उस परिस्थिति का सामना आराम से करते हैं, लेकिन वहीं कुछ लोग उस परिस्थिति के बारे में बहुत ज्यादा सोचते रहते हैं। ऐसे में स्ट्रेस होने बहुत आम बात है। लेकिन अगर आप एक बात को लेकर जरूरत से ज्यादा सोचते हैं तो इससे आपको मेंटल हेल्थ से जुड़ी कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए आपको लाइफ में एंजॉय करना और खुश रहना चाहिए।

अगर आप भी आसानी से निराश हो जाते हैं और हर छोटी से छोटी बात पर ज्यादा स्ट्रैस लेने लगते हैं तो आपको अपनी कुछ आदतों में बदलाव करने और कई नई आदतों को अपनाने की जरूरत हैं।

मेडिटेशन

अपने दिमाग और मन को शांत करने के लिए मेडिटेशन, माइंडफूलनेस और स्ट्रेस मेनेजमेंट तकनीक अपना सकते हैं। इसके लिए सुबह या शाम जब भी आपको समय मिले। किसी शांत जगह पर बैठें और अपनी सांसों पर ध्यान केंद्रित करें। शुरुआत में आपको इसमें थोड़ी परेशानी होगी, लेकिन लगातार अभ्यास करने के बाद आप धीरे-धीरे सीख जाएंगे।

खुद को समय दें

अपने बिजी शेड्यूल में से कुछ समय अपने लिए भी निकालें। रोजाना कम से कम 25 से 30 मिनट वॉक या एक्सरसाइज के करें। समय पर खाना खाएं। अपनी हॉबी पर ध्यान दें। जैसे कि कुछ लोगों को गर्डनिंग, तो कुछ को पेंटिंग का बहुत शौक होता है। ऐसे में हफ्ते या दिन में कुछ समय इसके लिए निकालें। कई बार लाइट म्यूजिक सुनने में मन बहुत रिलेक्स फील करता है।

पसंदीदा लोगों के साथ समय बिताएं

भले ही आप जितनी मर्जी बिजी हैं लेकिन आपको अपने पसंदीदा लोग के साथ समय बिताना चाहिए। वो लोग जिनके अपनी परेशानी शेयर करने से आपके मन हल्का महसूस हो। साथ ही परिवार और दोस्तों के साथ घूमने के लिए समय निकालें।

स्वीकार करें

ये बात समझनी बहुत जरूरी है कि आप हर चीज को कंट्रोल नहीं कर सकते हैं और हालातों को आप बदल नहीं सकते हैं। इसलिए ऐसे में परिस्थिति को स्वीकार करें। उन बातों को लेकर स्ट्रेस न लें, जिन्हें कंट्रोल करना आपके हाथ में नहीं हैं।

पॉजिटिव माइंडसेट

हालात चाहे जैसे भी हो लेकिन हमें हिम्मत नहीं हारनी चाहिए और परिस्थिति का समझदारी से सामना करना चाहिए। इसकी से साथ अपने विचारों को हमेशा पॉजिटिव रखने का प्रयास करें। क्योंकि अगर आप हर बात को लेकर नेगेटिव सोचेंगे तो आप कभी खुश नहीं रह पाएंगे। इसलिए अपनी लाइफ में आने वाली हर छोटी से बड़ी खुशी को सेलिब्रेट करें और खुश रहने का प्रयास करें।

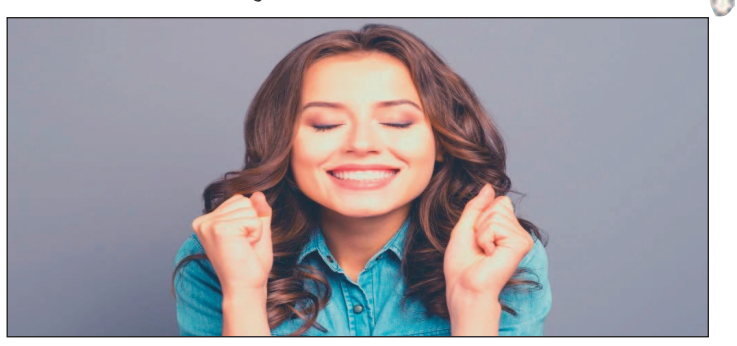

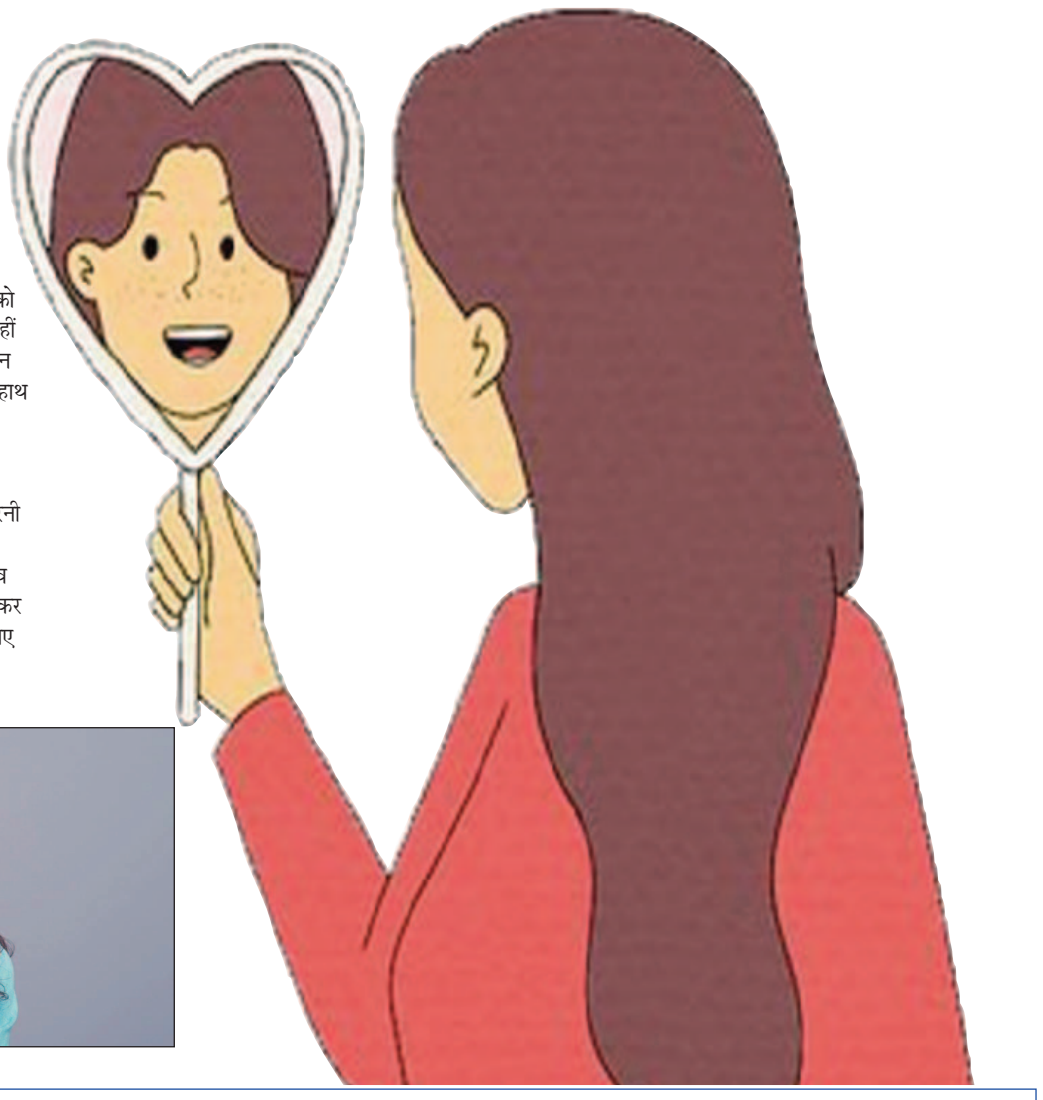

एसिडिटी और पेट का भारीपन कर देता है परेशान तो खाने के बाद चबा लें ये 4 चीजें

एसिडिटी, अपच, पेट में गैस होना काफी नॉर्मल समस्याएं होती हैं, लेकिन कुछ लोगों को अक्सर इस से दो चार होना पड़ता है। इसके पीछे की वजह कमजोर पाचन हो सकता है। जिन लोगों को खाना खाने के बाद हमेशा भारीपन, एसिडिटी, गैस या अपच की समस्या रहती हो तो खानपान में ऐसी चीजें शामिल करनी चाहिए जो काफी हल्की हो और फाइबर से भरपूर हो ताकि आसानी से पच जाएं। इसके अलावा आपके घर की रसोई में ही कुछ ऐसी चीजें मौजूद होती हैं जो आपको पाचन संबंधित समस्याओं से बचाने और राहत दिलाने में हेल्प फुल रहती हैं।

पाचन संबंधित दिक्कतें लगातार बनी रहें तो इसको नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, क्योंकि खाना सही से न पचने पर शरीर में पोषक तत्वों की कमी भी हो सकती है। इसके अलावा यह देखना चाहिए कि खराब पाचन के पीछे कोई और वजह तो नहीं है। फिलहाल जान लें ऐसी चीजों के बार में जो खाना खाने के बाद चबा लेंगे तो पाचन सही तरह से होगा और आप गैस, अपच, एसिडिटी जैसी दिक्कतों से बचे रहेंगे।

सौंफ

पहले के समय में खाना खाने के बाद लोग सौंफ जरूर चबाते थे और शादी-पार्टियों में भी आपने सौंफ रखी हुई जरूर देखी होगी। दरअसल इसके पीछे की वजह यह होती है कि खाना खाने के बाद अगर सौंफ को चबाया जाए तो इससे खाना सही से पच जाता है और आप पेट के भारीपन, गैस जैसी दिक्कतों से बच जाते हैं।

अजवाइन

पाचन सुधार की बात करें तो अजवाइन एक बढ़िया मसाला है। खाना खाने के बाद एसिडिटी, भारीपन या पेट दर्द से बचने के लिए या फिर राहत पाने के लिए अजवाइन को चाहें तो चबा सकते हैं या फिर इसका पानी पी सकते हैं। यह काफी फायदेमंद रहता है। इसके अलावा मुंह में दो चार अजवाइन के दाने डालकर चबाने से आप मुंह की बदबू से भी बचे रहते हैं।

हरी इलायची

भारतीय रसोई में हरी इलायची का इस्तेमाल सब्जी, पुलाव जैसी मसालेदार डिशेस से लेकर खीर, हलवा जैसे डेजर्ट में भी इस्तेमाल होती है। इलायची नेचुरल माउथ फ्रेशनर का काम तो करती ही है, ये आपके पाचन के लिए भी सही रहती है। हरी इलायची को आप खाना खाने के बाद चबा सकते हैं।

हींग

चुटकीभर हींग का तड़का अगर दाल या सब्जी में लगा दिया जाए तो पूरे घर में खुशबू फैल जाती है और खाने का स्वाद भी दोगुना हो जाता है। वहीं हींग पाचन के लिए भी बेहद फायदेमंद रहती है। खाना खाने के बाद गैस की समस्या हो या फिर भारीपन महसूस हो रहा हो तो हींग को गुनगुने पानी के साथ लेने से आराम मिलता है।

विटामिन बी12 क्यों जरूरी है और इसकी कमी को पूरा कैसे किया जा सकता है?

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए शरीर को पर्याप्त मात्रा में अलग-अलग विटामिन्स, मिनरल्स, कार्बोहाइड्रेट्स, फाइबर और प्रोटीन की जरूरत होती हैं। इन्हीं जरूरी पोषक तत्वों में विटामिन बी12 भी शामिल है। अगर शरीर में इसकी कमी हो जाए तो इससे सेहत को नुकसान पहुंच सकता है। आइए जानते हैं शरीर में विटामिन बी12 की कमी से क्या होता है और इसकी कमी को कैसे पूरा किया जा सकता है।

विटामिन्स हमारे स्वास्थ्य के लिए कितने जरूरी है ये तो हम सब जानते है और यह भी कि हर विटामिन का हमारे शरीर में अलग काम है। लेकिन फिर भी कुछ विटामिन हमारे लिए बेहद जरूरी होते हैं जिनकी कमी से हमें कई शारीरिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, जिसमें विटामिन बी12 भी शामिल है।

ये एक खास विटामिन है जिसकी कमी की वजह से कई शारीरिक समस्याएं होने की संभावना बढ़ जाती है। क्या आपको मालूम है कि विटामिन बी12 की कमी का इलाज ना कराने पर शारीरिक, न्यूरोलॉजिकल और मनोवैज्ञानिक समस्याएं हो सकती हैं, विटामिन बी12 हमारे शरीर के लिए इतना महत्वपूर्ण है ये बात काफी कम लोग ही जानते है। आइए जानते है कि विटामिन बी12 क्या है और इसकी कमी से हमें क्या क्या परेशानियां हो सकती है।

विटामिन बी12

विटामिन बी12 एक महत्वपूर्ण पोषक तत्व है जो आपके शरीर के नर्वस सेल्स और ब्लड सेल्स को स्वस्थ रखने में मदद करता है। आपका शरीर अपने आप विटामिन बी 12 नहीं बनाता है, इसलिए आपको इसे प्राप्त करने के लिए विटामिन बी 12 वाले खाद्य पदार्थों और पेय पदार्थों का सेवन करना होता है।

हमारे द्वारा खाए गए खाने से विटामिन बी12 को अब्सॉर्ब करने के लिए हमारे शरीर को दो चीजों की जरूरत होती है। सबसे पहले, आपके पेट में हाइड्रोक्लोरिक एसिड उस भोजन से विटामिन बी 12 को हटा देता है जिसमें वह था। तब, अलग हुआ विटामिन बी 12 पेट द्वारा बनाए गए प्रोटीन के साथ जुड़ जाता है, जिसे आंतरिक कारक कहा जाता है और शरीर उन्हें एक साथ अब्सॉर्ब कर लेता है।

शरीर में विटामिन बी12 क्यों कम हो जाता है?

एमडी कंसल्टेंट डॉक्टर कमलजीत कैंथ का कहना है कि अगर किसी को पेट या छोटी आंत से जुड़ी किसी तरह की समस्या है, जैसे कि सीलिएक रोग या क्रोहन रोग तो ऐसे में व्यक्ति का शरीर भोजन से पर्याप्त मात्रा में विटामिन बी12 को अब्सॉर्ब नहीं कर पाता है। जिसके कारण शरीर में विटामिन बी12 की कमी हो जाती है। इसके अलावा अगर व्यक्ति शाकाहारी आहार का ही सेवन करता है, यानी जानवरों से प्राप्त खाद्य पदार्थ का सेवन नहीं करते हैं तो इसके कारण भी बी12 की कमी का खतरा रहता है।

जिन लोगों की गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी हुई है जैसे गैस्ट्रिक बाईपास उन्हें भी विटामिन बी 12 को अवशोषित करने में कठिनाई हो सकती है।

विटामिन बी12 की कमी के लक्षण

शरीर में विटामिन बी12 की कमी होने पर कई तरह के लक्षण दिखाई दे सकते हैं। जिसमें लगातार थकान बने रहना, चक्कर आना, सांस फूलना, मांसपेशियों में कमजोरी, वजन कम होना और मानसिक स्थिति खराब होना शामिल है।

विटामिन बी12 की कमी से क्या होता है?

फोर्टिस हॉस्पिटल नोएडा में इंटरनल मेडिसिन विभाग के डॉ। अजय अग्रवाल का कहना है कि विटामिन बी12 शरीर के लिए बहुत जरूरी होता है। ये ब्रेन फंक्शन हो बेहतर बनाएं रखने और शरीर को कई तरह की समस्याओं से बचाने में मदद करता है।

लेकिन अगर शरीर में विटामिन बी12 की कमी हो जाए तो इससे एनीमिया यानी की शरीर में खून की कमी होने का रिस्क भी बढ़ जाता है। गर्भवती महिलाओं में भी एनीमिया का रिस्क ज्यादा होता है। उसका असर उनके होने वाले बच्चे की सेहत पर भी पड़ सकता है।

विटामिन बी12 कम होने के कारण एनीमिया कैसे होता है?

विटामिन बी12 शरीर में रेड ब्लड सेल्स का निर्माण करने का काम करता है। ऐसे में विटामिन बी12 कम होने के कारण अगर किसी के शरीर में रेड ब्लड सेल्स नहीं बन पाते हैं तो खून की कमी होने लगती है।

रोजाना कितनी मात्रा में विटामिन बी12 लेना जरूरी है?

न्यूट्रिशनिस्ट डॉक्टर परमजीत कौर के मुताबिक विटामिन बी12 की मात्रा हर व्यक्ति की उम्र और दूसरे कारकों के मुताबिक अलग-अलग होती है। एक्सपर्ट के मुताबिक 14 साल या उससे ज्यादा उम्र के लोगों को एक दिन में 2.14 माइक्रोग्राम विटामिन बी12 की जरूरत होती है। वहीं प्रेग्नेंसी में 2.16 माइक्रोग्राम और ब्रेस्टफीडिंग कराने वाली महिलाओं में 2.13 माइक्रोग्राम रोजाना विटामिन बी12 की जरूरत होती है।

किन फूड्स में होता है विटामिन बी12?

लेकिन विटामिन बी12 की कमी को दूर करने का सबसे आसान उपाय अपने आहार में बदलाव करना। अगर आप ऐसा आहार लेते है जिसमें प्रचुर मात्रा में विटामिन बी12 हो तो जल्द ही इसकी कमी दूर की जा सकती है। साथ ही इसकी वजह से होने वाली समस्याएं भी दूर हो जाएंगी मांस, अंडे, दूध, ब्रोकोली, ब्रसल स्प्राउट, पनीर, चने, ब्रसल स्प्राउट और भूरे रंग के चावल में विटामिन बी12 भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

विटामिन बी12 के लिए इंजेक्शन या दवा क्या है सही?

अगर शरीर में विटामिन बी12 की कमी हो जाए तो डॉक्टर इससे भरपूर फूड्स के साथ दवा या इंजेक्शन लेने की सलाह देते हैं. लेकिन दोनों में से क्या बेस्ट हैं? डॉक्टर जुगल किशोर का कहना है कि अगर शरीर में विटामिन बी12 की मात्रा 30 pg/ml से कम है तो ये खतरनाक मानी जाती है. इस स्थिति में इसकी कमी को पूरा करने के लिए इंजेक्शन लगाने की सलाह दी जा सकती है. लेकिन अगर शरीर में विटामिन बी12 की मात्रा 50 से 170 के बीच है तो एक्सपर्ट इसकी दवाएं लेने की सलाह देते हैं. लेकिन इंजेक्शन या गोली दोनों की डॉक्टर के बताए मुताबिक लेनी चाहिए.

डाइजेस्टिव सिस्टम खराब होने से शरीर का विटामिन बी 12 को अब्सॉर्ब करना मुश्किल हो जाता है इसलिए सुनिश्चित करें कि आपका डाइजेस्टिव सिस्टम ठीक रहे. विटामिन बी 12 काफी आम समस्या है लेकिन इससे बचना हमारे स्वयं के हाथ में है क्योंकि ध्यान रखिए आप जैसा आहार लेंगे वैसा ही आपका शरीर बनेगा.

चीनी तकनीशियन की वीजा प्रक्रिया में तेजी लाने पर विचार कर रहा भारत

एक अधिकारी ने कहा कि वीजा मंजूरी में तेजी लाने की योजना व्यापार मंत्रालय द्वारा समर्थित है और प्रारंभिक आपत्तियों के बावजूद विदेश मंत्रालय इस पर सकारात्मक विचार कर रहा है। एक उद्योग अनुमान का हवाला देते हुए कहा गया है कि वीजा मुद्दे के कारण पिछले चार वर्षों के दौरान अकेले इलेक्ट्रानिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र को 15 अरब डालर का उत्पादन घाटा हुआ है।

चीनी तकनीशियनों के लिए वीजा जारी करने की प्रक्रिया में तेजी लाने पर भारत विचार कर रहा है। मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने कहा है कि इसका उद्देश्य मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स में होने वाली देरी को दूर करना है।

कम होगा प्रोसेस का टाइम

पिछले नवंबर से इस साल अप्रैल के बीच चीनी तकनीशियनों के लिए लगभग 1,600 वीजा आवेदन प्राप्त हुए हैं। अधिकारी ने कहा है कि वीजा अनुमोदन निर्णयों के लिए समय को एक साल से घटाकर एक महीने से भी कम करने के लिए नया फास्ट ट्रैक पोर्टल स्थापित किया जाएगा। ये वीजा चीनी तकनीशियनों को छह महीने तक रहने की अनुमति देगा।

तकनीशियनों के अभाव में हो रहा घाटा

एक अधिकारी ने कहा कि वीजा मंजूरी में तेजी लाने की योजना व्यापार मंत्रालय द्वारा समर्थित है और प्रारंभिक आपत्तियों के बावजूद विदेश मंत्रालय इस पर सकारात्मक विचार कर रहा है। घरेलू उद्योग और सरकारी अधिकारियों ने विदेश मंत्रालय से इस मुद्दे पर तेजी से विचार करने की अपील की है।

इस संबंध में व्यापार मंत्रालय, गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय ने कोई टिप्पणी नहीं की है। टेलीकाम से लेकर स्टील उत्पादों और सौर पैनलों तक के उद्योगों के अंदर चीन में निर्मित मशीनरी को संचालित करने के लिए तकनीशियनों की आवश्यकता होती है। एक उद्योग अनुमान का हवाला देते हुए कहा गया है कि वीजा मुद्दे के कारण पिछले चार वर्षों के दौरान अकेले इलेक्ट्रानिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र को 15 अरब डालर का उत्पादन घाटा हुआ है।

9 महीने में पैसा डबल, म्यूचुअल फंड की इस स्कीम ने मालामाल कर दिया, पोर्टफोलियो में ये शेयर

पिछले साल जून में लॉन्च एचडीएफसी डिफेंस फंड ने नौ महीनों में 102 .26% रिटर्न दिया है। इस स्कीम को अभिषेक पोद्दार मैनेज करते हैं। म्यूचुअल फंड की यह स्कीम डिफेंस स्टॉक जैसे हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स पर फोकस करती है। इस फंड ने 10,000 रुपये के मासिक एसआईपी को 2 .28 लाख रुपये (147 .90% एक्सआईआरआर) तक बढ़ा दिया है।

चडीएफसी डिफेंस फंड ने सिर्फ नौ महीनों में निवेशकों का पैसा दोगुना कर दिया है। इसने इस दौरान 102.26% का रिटर्न दिया है। म्यूचुअल फंड की यह स्कीम केवल डिफेंस सेक्टर पर फोकस है। यह म्यूचुअल फंड जून 2023 में लॉन्च हुआ था। रक्षा क्षेत्र में बढ़ते सरकारी निवेश और देश में रक्षा उपकरणों के निर्माण पर जोर देने के कारण यह फंड अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।

पिछले तीन महीनों में इस स्कीम का रिटर्न लगभग 38.87 फीसदी है। पिछले छह महीनों में यह लगभग 55.16 फीसदी रहा है। एक साल में इस स्कीम ने 130.44 फीसदी रिटर्न दिया है। अगर किसी निवेशक ने फंड की शुरुआत से ही 10,000 रुपये का मासिक SIP शुरू किया होता तो उसका निवेश अब 2.28 लाख रुपये का हो गया होता। उन्हें 147.90 फीसदी का XIRR (एक्सटेंडेड इंटरनल रेट ऑफ रिटर्न) मिलता। वहीं, निवेश की गई कुल राशि 1.30 लाख रुपये होती।

अगर किसी निवेशक ने फंड की शुरुआत में एकमुश्त 1 लाख रुपये लगाए होते तो अब उसकी वैल्यू 2.45 लाख रुपये होती। यह 122.95 फीसदी के CAGR (कंपाउंडेड एनुअल ग्रोथ रेट) को दर्शाता है।

इस स्कीम का निवेश उद्देश्य मुख्य रूप से रक्षा और उससे जुड़ी कंपनियों के इक्विटी और इक्विटी से संबंधित प्रतिभूतियों में निवेश करके लंबी अवधि में कैपिटल एप्रीसिएशन हासिल करना है।

पोर्टफोलियो में कौन शेयर ?

इस स्कीम का पोर्टफोलियो 20 शेयरों में डायवर्सिफाइड है। इसमें सबसे अधिक आवंटन हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स में लगभग 21.22 फीसदी निवेश है। इसके बाद भारत इलेक्ट्रॉनिक्स का नंबर है। इसमें 19.80 फीसदी का आवंटन है। जून 2024 तक यह फंड 3,665 करोड़ रुपये की संपत्ति का प्रबंधन कर रहा था।

यह स्कीम निफ्टी इंडिया डिफेंस - TRI के मुकाबले बेंचमार्क है। इंडेक्स ने पिछले नौ महीनों में 146.17 फीसदी का रिटर्न दिया है। पिछले तीन और छह महीनों में का रिटर्न 60.66 फीसदी और 87.04 फीसदी है। पिछले एक साल में इसने 187.42% का रिटर्न हासिल किया है। इस स्कीम को अभिषेक पोद्दार मैनेज करते हैं। एकमुश्त और एसआईपी निवेश के लिए न्यूनतम निवेश राशि 100 रुपये है।

मोतीलाल ओसवाल एमएफ ने भी लॉन्च की है स्कीम

मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड ने भी हाल ही में रक्षा क्षेत्र पर आधारित अपना इंडेक्स फंड लॉन्च किया है। मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स फंड भारत का पहला इंडेक्स फंड है जो भारत में सूचीबद्ध रक्षा शेयरों में निवेश का अवसर प्रदान करता है। इस फंड का उद्देश्य निवेशकों को रक्षा क्षेत्र की विकास क्षमता में भाग लेने का अवसर प्रदान करना है।

यह पैसिव फंड ओपन-एंडेड फंड है जो निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स TRI के मुकाबले बेंचमार्क है। इसे स्वप्निल मायेकर और राकेश शेट्टी मैनेज करते हैं। इसमें न्यूनतम एप्लीकेशन अमाउंट 500 रुपये है और उसके बाद 1 रुपये के मल्टीपल में निवेश किया जा सकता है। न्यूनतम रिडेम्पशन राशि 500 रुपये है और उसके बाद 1 रुपये के मल्टीपल में या खाते की शेष राशि, जो भी कम हो, में निकासी की जा सकती है।

'भारत को 'चाइना प्लस वन' का लाभ पाने के लिए ईको सिस्टम की जरूरत', सीईए ने कहा- दुनिया हमारी ओर देख रही

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि भारत 'चाइना प्लस वन' नीति का लाभ उठा सकता है, लेकिन इसके लिए हमको कुछ वैसा ही पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की जरूरत है जैसा की चीनी कंपनियों ने बनाया था।

सीईए नागेश्वरन ने आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 की प्रस्तुति के बाद एक वर्चुअल बातचीत में एएनआई को बताया, 'चाइना प्लस वन निश्चित रूप से एक वैश्विक विनिर्माण खिलाड़ी के रूप में भारत के विकास का एक महत्वपूर्ण घटक है।' चीन प्लस वन रणनीति में आम तौर पर चीन के अलावा अन्य देशों में अपने निवेश में विविधता लाने वाली कंपनियां

शामिल होती हैं।

'कई देश भारत की ओर देख रहे हैं'

मुख्य आर्थिक सलाहकार ने आगे कहा, 'कई देश भारत की ओर देख रहे हैं, लेकिन चाइना प्लस वन नीति अपनाने के लिए हमें कुछ ऐसे इकोसिस्टम की भी जरूरत है जो इन कंपनियों ने चीन में बनाया है।'

नागेश्वरन ने आगे कहा कि 2020 में कोविड महामारी के बाद से ही दुनिया को आपूर्ति श्रंखला का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही अमेरिका, यूरोप सहित अन्य देशों में भू- राजनीतिक तनाव और संरक्षणवाद भड़कने के बाद कई प्रमुख वैश्विक विनिर्माण कंपनियां अपने संचालन में विविधता ला रही हैं। आपूर्ति श्रंखला में व्यवधानों का सामना करना पड़ रहा है, खासकर 2020 में सीओवीआईडी -19 महामारी के बाद से, साथ ही यूरोपीय देशों और अमेरिका सहित विभिन्न देशों द्वारा भू-राजनीतिक तनाव और संरक्षणवाद के भड़कने के बाद, कई प्रमुख वैश्विक विनिर्माण कंपनियां अपने परिचालन में विविधता ला रही हैं।

कृषि नीतियों में बदलाव की जरूरत

मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि देश के कृषि क्षेत्र के मुद्दे पर राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कृषि में सब्सिडी के बावजूद कृषि नीतियों में बदलाव की जरूरत है। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 की प्रस्तावना में कहा कि सरकार पर्याप्त मात्रा में किसानों को सहायता देती है और ये सहायता पानी पर सब्सिडी, बिजली और फर्टिलाइजर्स पर सब्सिडी के रूप में किसानों को मिलती है।

इधर ईरान ने धमकाया तो इजरायल की मदद को दौड़ा अमेरिका, तान दिए परमाणु बॉम्बर B-52

नई दिल्ली, एजेंसी। इजरायल-ईरान जंग के बीच मिडिल ईस्ट में अब धुआं-धुआं होने का खतरा मंडरा रहा है. ईरान की धमकी के बाद अमेरिका हाइपर एक्टिव हो गया है। ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई ने धमकी दी है कि ईईरान, इजरायल और अमेरिका को मुंहतोड़ जवाब देगा। इसके बाद से इजरायल पर फिर हमले का खतरा मंडरा रहा है। इस बीच इजरायल की मदद करने के लिए अमेरिका आगे आया है। अमेरिका ने ईरान से इजरायल की रक्षा करने के लिए अपने परमाणु बॉम्बर बी-52 को मिडिल ईस्ट में तैनात करने का फैसला किया है। बी-52 बमवर्षक की तैनाती से न केवल ईरान के हमले को रोका जाएगा, बल्कि इजरायल को जवाबी कार्रवाई करने में मदद भी मिलेगी।

सबसे पहले जानते हैं कि ईरान ने क्या धमकी दी है। दरअसल, ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने इजराइल और अमेरिका को सीधी धमकी दी है। सुप्रीम लीडर खामनेई ने इजरायल और अमेरिका का नाम लेकर मुंहतोड़ जवाब देने की धमकी दी। उन्होंने कहा, 'दुश्मन चाहे इजरायल हो या फिर अमेरिका, जो भी ईरान और उसके सहयोगियों को चोट पहुंचा रहा है, उसे करारा जवाब मिलेगा। हालांकि, उन्होंने जवाबी कार्रवाई के समय या दायरे के बारे में विस्तार से नहीं बताया। ईरान के इस बयान के बाद से इजरायल पर हमले का खतरा मंडराने लगा है।

दोस्त की मदद को दौड़ा अमेरिका

इसके बाद से अमेरिका के भी कान खड़े हो गए। अमेरिकी सेना पूरे पश्चिम एशिया में सक्रिय है। इसके कुछ सैनिक अब इजराइल में 'टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस' (थाड) वायु रक्षा प्रणाली का प्रबंधन कर रहे हैं। अमेरिका ने पहले से ही'यूएसएस अब्राहम लिंकन' विमानवाहक पोत को अरब सागर में तैनात कर रखा है, जबकि पेंटागन ने शुक्रवार को कहा कि ईरान और उसके उग्रवादी सहयोगियों को रोकने के लिए अधिक विध्वंसक, लड़ाकू स्क्वाड्रन, टैंकर और लंबी दूरी के बी-52 बमवर्षक क्षेत्र में पहुंचेंगे। अमेरिका ने अपने परमाणु बॉम्बर बी-52 की तैनाती कर खलबली मचा दी है।

कितना खतरनाक है B-52 बमवर्षक

आनन-फानन में अमेरिका ने इस क्षेत्र में B-52 बमवर्षक तैनात किए हैं। उम्मीद है कि इससे ईरान को आगे बढ़ने से रोका जा सकेगा। अमेरिका का यह बमवर्षक B-52 बहुत खतरनाक और शक्तिशाली है। अमेरिकी सेना के बेड़े में B-52 सबसे घातक बमवर्षक है। ये आसानी से मिशन पर जा सकता है। इसमें बड़ा पेलोड लगता है, इसकी रेंज लंबी है। ये हवा में ज्यादा देर तक रह सकता है। यह लंबी दूरी तक पेट्रोलिंग के साथ ही न्यूक्लियर बम से भी हमला कर सकता है। साथ ही इसमें सटीक निशाना लगाने वाले हथियार लगते हैं। यही वजह है कि B-52 अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति का अहम हिस्सा बना हुआ है। B-52 एक लंबी दूरी का, सबसोनिक, जेट-संचालित अमेरिकी बमवर्षक है। इसकी रेंज हवा में ईंधन भरे बिना करीब 14 हजार किलोमीटर है। साथ ही यह करीब 32,000 किलोग्राम वजन तक का हथियार ले जा सकता है।

इजरायल-ईरान में जंग तेज

दरअसल, ईरान और इजरायल के बीच जंग और खतरनाक होती जा रही है। दोनों तरफ से हमले हो रहे हैं। लेबनान में इजरायली हवाई हमले और भी तेज हो गए हैं। इन हमलों में अब तक करीब 2,000 लोग मारे जा चुके हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। वहीं, हिजबुल्लाह ने भी इजरायली इलाकों में रॉकेट दागकर जवाबी कार्रवाई की है। इन हमलों में हाइफा और तेल अवीव के पास सैन्य ठिकाने भी शामिल हैं। ईरान पर भी इजरायल ने पलटवार किया है। इसके बाद अब ईरान बदले की आग में धधक रहा है। ईरान ने जो अब धमकी दी है, उसे देखते हुए ही अमेरिका ने दोस्त इजरायल के लिए यह कदम उठाया है।

200 जवान किडनैप, सैन्य चौकी पर भी कब्जा ...लोगों को बचाने वाली यहां की सेना ही कह रही बचाओ-बचाओ, सरकार बेबस

नई दिल्ली, एजेंसी। सेंट्रल साउथ अमेरिकी देश बोलीविया में गजब हो गया है। यहां लोगों को बचाने वाली सेना ही अब बचाओ-बचाओ चिल्ला रही है। जी हां, बोलीविया में सैन्य ठिकाने पर ही हथियारबंद गुट ने कब्जा कर लिया है। इतना ही नहीं, हथियारों से लैस ग्रुप ने 200 से अधिक सैनिकों बंधक भी बना लिया है। बोलिवियाई सेना के मुताबिक, हथियारबंद समूह ने सैन्यकर्मियों का अपहरण कर लिया है। इतना ही नहीं, इस ग्रुप ने सेंट्रल बोलिवियाई शहर कोचाबांबा के पास स्थित सैन्य ठिकाने से हथियार और गोला-बारूद भी लूट लिए हैं।

खुद बोलीविया के विदेश मंत्रालय ने इस घटना को कन्फर्म किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि 200 से ज़्यादा सैन्यकर्मी बंधक बना गए हैं और हथियारबंद समूह के कब्जे में हैं। बोलीविया के राष्ट्रपति लुइस आर्से कैटकोरा (लुइस आर्क कैटकोरा) का कहना है कि यह सशस्त्र समूह पूर्व राष्ट्रपति इवो मोरालेस से से जुड़ा है, मगर उन्होंने अपने दावे की पुष्टि के लिए कोई सबूत नहीं दिया। हालांकि, मोरालेस की टीम ने अभी तक इस पर कुछ नहीं कहा है।

वहीं, बोलीविया की सेना ने हथियारों से लैस समूह से सेना के बैरकों को तुरंत खाली करने की चेतावनी दी है। सेना ने जोर देकर कहा कि अगर सैन्य ठिकाने पर से कब्जा नहीं हटा और सेना के जवान रिहा नहीं किए जाते हैं तो इसे देश के साथ विश्वासघात माना जाएगा। दरअसल, यह घटना बोलीविया में अशांति के दौर में एक नया अपडेट है, क्योंकि मोरालेस और राष्ट्रपति लुइस आर्से 2025 के चुनाव से पहले एक-दूसरे से तकरार में हैं।

हाल के हफ़्तों में, पूर्व राष्ट्रपति मोरालेस समर्थकों ने कोचाबांबा समेत देशभर के प्रमुख हाइवे पर नाकेबंदी कर दी है। दरअसल, सरकार ने मोरालेस पर मानव तस्करी के आरोप लगाए हैं, जिसके बाद उनके समर्थकों ने ये कदम उठाया है। बोलिवियाई पुलिस का कहना है कि इन नाकेबंदियों में हिंसक सशस्त्र समूह शामिल हैं, जिनकी वजह से कुछ शहरों में खाने-पीने की चीजों और ईंधन की कमी हो गई है।

पिछले सप्ताहांत में कोचाबांबा में हुई एक घटना को लेकर भी मोरालेस और सरकार ने एक-दूसरे पर आरोप लगाए हैं। बोलीविया के सरकार के मंत्री एडुआर्डो डेल कैस्टिलो ने आरोप लगाया कि मोरालेस को ले जा रही एक कार में सवार लोगों ने ड्रग्स की तस्करी को रोकने के लिए बनाए गए एक चेकपॉइंट से बचने की कोशिश करते हुए पुलिस पर गोलियां चलाईं। पूर्व राष्ट्रपति ने इस आरोप से इनकार किया और सरकार पर आरोप लगाया कि वह उनके वाहन पर गोलीबारी करके उनकी हत्या की साजिश रच रही है।

चीन प्रेम में परंपरा तोड़ रहा नेपाल ? मालदीव के मुइज्जू की राह चले केपी शर्मा ओली, जिनपिंग को करने जा रहे सलाम

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका और मालदीव की तरह नेपाल भी अब चीन की चाल में फंसता दिख रहा है. भारत का अच्छा पड़ोसी नेपाल अब चीन की गोद में पूरी तरह से बैठने को तैयार है। यही वजह है कि नेपाल के प्रधानमंत्री के शर्मा ओली दशकों पुरानी परंपरा को तोड़ रहे हैं। नेपाली पीएम ओली अब तक चली आ रही परंपरा से हटकर वह काम करने जा रहे हैं, जो अब तक नहीं हुआ। जी हां। नेपाल के पीएम ओली ने अपनी पहली द्विपक्षीय यात्रा के लिए चीन को चुना है। जबकि यह परंपरा रही है कि नेपाल का कोई भी प्रधानमंत्री अपनी पहली विदेश यात्रा में भारत की यात्रा करता रहा है।

इंडियन एक्सप्रेस की खबर के मुताबिक, नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली अगले महीने चीन की आधिकारिक यात्रा पर जा सकते हैं। यह उनकी पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी। पुष्प कमल दहल प्रचंड की जगह पर नई सरकार के प्रमुख बनने के बाद केपी ओली को चार महीने बीत चुके हैं। सूत्रों की मानें तो प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के दो दिसंबर से पांच दिसंबर के बीच बीजिंग जाने की संभावना है। केपी ओली का चीन दौरा नेपाल के नए प्रधानमंत्री की पहली विदेश यात्रा के लिए भारत जाने की 'परंपरा' से हटकर देखा जा रहा है।

क्यों अलग है नेपाल के पीएम का यह चीन दौरा?

नेपाल के नए प्रधानमंत्री आम तौर पर अपनी पहली द्विपक्षीय यात्रा में भारत की यात्रा करते हैं। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सितंबर में न्यूयॉर्क में ओली से मुलाकात के दौरान कह दिया था कि वे जल्द ही नेपाल का दौरा करेंगे। केपी ओली का चीन दौरा ऐसे समय पर हो रहा है, जब सरकार में शामिल दो सबसे बड़े सहयोगी दल- नेपाली कांग्रेस और ओली की अगुवाई वाली कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल- यूनिफाइड मार्क्सिस्ट लेनिनिस्ट- चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के तहत परियोजनाओं को लागू करने की शर्तों को लेकर असहमत हैं।

चीन पर अलग-अलग हैं नेपाली दल?

नेपाली कांग्रेस जहां इस बात पर अड़ी हुई है कि बीआरआई परियोजनाओं को केवल अनुदान के तहत ही स्वीकार किया जाना चाहिए। वहीं, सीपीएन-यूएमएल चीन के एक्जिम बैंक से ऋण के साथ परियोजनाओं का समर्थन करता है। नेपाल यह समझ नहीं रहा है कि उसे चीन श्रीलंका और मालदीव की तरह अपने जाल में फंसाना चाहता है।

अब कटेंगे नहीं ... ट्रंप ने बांग्लादेश में हिंदुओं को जगाया, हिंसा के खिलाफ सड़क पर लोगों का उतरा सैलाब

वॉशिंगटन, एजेंसी। पड़ोसी देश बांग्लादेश में जब से राजनीतिक स्थिरता आई है तब से हिंदुओं पर हमले तेज हो गए हैं. हालांकि इन हमलों को लेकर अब बांग्लादेश में विरोध होने लगा है। साथ ही अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने भी बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार की निंदा की है। इस बीच सैंकड़ों की संख्या में बांग्लादेश में लोगों ने हिंदुओं पर हो रहे हैं अत्याचार के खिलाफ रैली निकाली।

न्यूज एजेंसी AFP के अनुसार रैली आयोजकों ने अंतरिम सरकार से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए कानून बनाने और शासन में अल्पसंख्यकों का न्यूनतम प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के साथ-साथ अतिरिक्त अनुरोध भी किए। हिंदू नागरिक नेता चारु चंद्र दास ब्रह्मचारी ने समाचार एजेंसी एएफपी से कहा, "यह बेहद खेदजनक है कि सलाहकार परिषद अल्पसंख्यकों द्वारा झेली गई पीड़ा को स्वीकार नहीं करती है। मैंने उनके खिलाफ अत्याचारों को देखा है – उनके मंदिरों, व्यवसायों और घरों पर।" मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम प्रशासन ने हिंदुओं के खिलाफ इन घटनाओं को मान्यता दी है और उनकी निंदा की है, जबकि यह भी कहा है कि कई हमले धार्मिक रूप से प्रेरित न होकर राजनीतिक रूप से प्रेरित थे। तब से लगातार हो रहे प्रदर्शन निरंतर हमलों का संकेत देते हैं और यूनुस के प्रशासन से कार्रवाई की मांग करते हैं, जो लोकतांत्रिक सुधारों को लागू करने और नए चुनावों के आयोजन के लिए जिम्मेदार "सलाहकार परिषद" के रूप में कार्य करता है।

हाल ही में तनाव तब बढ़ गया जब चटगांव में पहले अल्पसंख्यक अधिकार प्रदर्शन में भाग लेने वाले 19 व्यक्तियों के खिलाफ राजद्रोह का आरोप लगाया गया। अधिकारियों ने इन व्यक्तियों पर भगवा ध्वज – हिंदू धर्म का प्रतीकात्मक रंग – को उसके ऊपर रखकर बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने का आरोप लगाया।

डोनाल्ड ट्रंप ने दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "मैं बांग्लादेश में हिंदुओं, ईसाइयों और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ़ बर्बर हिंसा की कड़ी निंदा करता हूं। भीड़ उन पर हमला कर रही है, लूटपाट कर रही है जो कि पूरी तरह से अराजकता की स्थिति है।"

ट्रंप ने आगे लिखा, "मेरे कार्यकाल में ऐसा कभी नहीं हुआ होता। कमला और जो (जो बाइडेन) ने अमेरिका समेत पूरी दुनिया में हिंदुओं की अनदेखी की है। वे इजरायल से लेकर यूक्रेन और हमारी अपनी दक्षिणी सीमा तक तबाही मचा चुके हैं, लेकिन हम अमेरिका को फिर से मजबूत बनाएंगे और ताकत के जरिए शांति वापस लाएंगे।"

भारत खुद को विश्व मित्र के रुप में स्थापित कर रहा और हम और अधिक लोगों के...

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर तीन से आठ नवंबर तक ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर की यात्रा पर रहेंगे। इस दौरान वो दोनों देशों के नेताओं से मुलाकात के साथ आसियान के 8वें गोलमेज सम्मेलन को संबोधित करेंगे। विदेश मंत्रालय के मुताबिक वो कैनबरा में आस्ट्रेलियाई समकक्ष पेनी वोंग के साथ 15वें विदेश मंत्रियों की रूपरेखा वार्ता की सह-अध्यक्षता भी करेंगे। इससे पहले विदेश मंत्री एस। जयशंकर ने भारत के दूसरे देशों के साथ द्विपक्षीय रिश्तों और कूटनीतिक संबंधों पर बड़ा बयान दिया है।

उन्होंने कहा, 'इस बहुध्रुवीय दुनिया में स्पेशल फ्रेंडशिप जैसी बातों के मायने नहीं रह गए हैं, इसके बावजूद भारत खुद को 'विश्व मित्र' के रूप में स्थापित कर रहा है। भारत अधिक से अधिक लोगों के साथ दोस्ती करना चाहता है। लेकिन हर बार ये साधारण सा लगने वाला काम आसान नहीं होता। दोस्त बनाने।।। मजबूत रिश्ते रखने से जाहिर तौर पर भारत के प्रति सद्भावना और सकारात्मकता पैदा होती है। बहुत सी बातों को भारत द्वारा वैश्विक भलाई में किए जा रहे योगदान को देखकर समझा जा सकता है। जिसके अच्छे नतीजे अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ भारत के करीबी जुड़ाव में साफ-साफ दिखाई देते हैं'।

'मित्र हमेशा प्रगति पर काम करते हैं'

उन्होंने कहा कि अंतिम विश्लेषण में मित्र 'हमेशा प्रगति पर काम करते हैं'। जयशंकर ने कहा, 'चूंकि हम मित्रवत हैं, तो क्या इसका अभिप्राय यह है कि हमारे कई मित्र हैं? फिर भी, इसका अभिप्राय यह नहीं है कि हम अतिशयोक्ति करें, अतिसरलीकरण करें और अति कल्पनाशील हो जाएं। जीवन इससे कहीं अधिक जटिल है।' उन्होंने कहा कि सच्चाई है कि रिश्ते तब बनते हैं जब हित एक दूसरे से जुड़ते हैं या कम से कम साझा होते हैं। निस्संदेह, भावनाएं और मूल्य एक भूमिका निभाते हैं, लेकिन हितों से अलग होने पर नहीं।

'भारत जैसे विशाल देश के लिए मित्रता विकसित करना आसान नहीं होता'

जयशंकर ने कहा कि भारत जैसे विशाल देश के लिए मित्रता विकसित करना कभी आसान नहीं होता। उन्होंने कहा कि भावनात्मक पहलू साझा अनुभवों से आता है और वैश्विक दक्षिण के संबंध में इसे स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। जयशंकर ने कहा, 'मित्रताएं विशिष्ट नहीं होतीं, विशेषकर बहुध्रुवीय विश्व में।' उन्होंने कई देशों के साथ भारत के द्विपक्षीय और बहुपक्षीय संबंधों का हवाला देते हुए अपना बात पूरी की।

हावड़ा मेल के एक डिब्बे में धमाका, चार लोग घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब के फतेहगढ़ जिले में सरहिंद रेलवे स्टेशन के पास हावड़ा मेल के सामान्य श्रेणी के एक डिब्बे में हुए धमाके में चार लोग घायल हो गए। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि यह घटना शनिवार रात करीब साढ़े 10 बजे की है, जब अमृतसर से हावड़ा जा रही ट्रेन के एक डिब्बे में पटाखों से भरी एक प्लास्टिक की बाल्टी में धमाका हुआ। इस घटना में एक महिला समेत चार यात्री घायल हो गए। जीआरपी के पुलिस उपाधीक्षक जगमोहन सिंह ने बताया कि घायलों को फतेहगढ़ साहिब के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि धमाका ट्रेन के सामान्य श्रेणी के डिब्बे में एक प्लास्टिक की बाल्टी में हुआ, जिसमें कुछ पटाखे रखे थे। सिंह ने बताया कि घटना की जांच जारी है।

खांसी की दवा या नशे का सामान? बांग्लादेश में भारतीय कफ सिरप की डिमांड, BSF ने 3 हजार बोतलें की जब्त

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत से बड़ी संख्या में बांग्लादेश के लिए कफ सिरप की तस्करी की जा रही है। भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर तस्करी की कोशिश करते हुए पकड़े गए तस्करों ने बीएसएफ अधिकारियों को बताया कि भारतीय कफ सिरप का बांग्लादेश में कई तरह से इस्तेमाल किया जा रहा है। यह खांसी सही करने के लिए तो है ही, साथ ही कुछ लोग इसे नशा करने के लिए भी पी रहे हैं। इससे पश्चिम बंगाल के रास्ते बड़ी संख्या में भारत से बांग्लादेश के लिए कफ सिरप की स्मगलिंग की जा रही है।

डेढ़ करोड़ रुपये से अधिक का कफ सिरप जब्त

हाल यह है कि दो महीने में ही डेढ़ करोड़ रुपये से अधिक का कफ सिरप जवानों ने जब्त किया है। जबकि जो पकड़ा नहीं गया उसकी कीमत पकड़े गए कफ सिरप से कहीं अधिक मानी जा रही है। 29 अक्टूबर को पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना और मालदा जिलों के अंतर्गत भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर तैनात बीएसएफ के जवानों ने अलग-अलग ऑपरेशन में तीन हजार से अधिक कफ सिरप की बोतलें जब्त की हैं।

बांग्लादेश में भारतीय सिरप की ज्यादा डिमांड

बीएसएफ दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के अधिकारियों का कहना है कि भारत-बांग्लादेश सीमा पर बड़ी मात्रा में मादक पदार्थों की तस्करी करने की कोशिश की जा रही है। इसमें बांग्लादेश में भारतीय कफ सिरप की जबरदस्त डिमांड है। कुछ दिन पहले ही मुर्शिदाबाद जिले में बीएसएफ ने मुरूटिया पुलिस के साथ मिलकर कफ सिरप की 13 हजार 602 बोतल जब्त की थीं। बीएसएफ साउथ बंगाल के डीआईजी एन. के. पांडे ने बताया कि इस तरह की तस्करी को देखते हुए भारत-बांग्लादेश सीमा और आसपास के इलाकों में निगरानी और अधिक बढ़ा दी गई है। बीएसएफ जवान इलाके पर सक्रिय रूप से नजर रख रहे हैं। जवान यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि देश की सीमा सुरक्षित रहे।

मेडिकल स्टोर पर बढ़ी डिमांड?

बांग्लादेश में तस्करी किए जाने की वजह से आमतौर पर बांग्लादेश बॉर्डर से लगते भारतीय इलाकों के मेडिकल स्टोर पर कफ सिरप लगभग आउट ऑफ स्टॉक ही रहता है। पश्चिम बंगाल में इसकी जबर्दस्त डिमांड रहती है। तस्करी करने वाले मेडिकल स्टोर वालों और सप्लायर को भी इसकी एमआरपी से अधिक दाम देते हैं। इसके बावजूद भी बांग्लादेश में इसकी बहुत अधिक डिमांड रहती है।

सितंबर में भारत में 85 लाख से ज़्यादा अकाउंट पर वाट्सएप ने प्रतिबंध लगाया

नई दिल्ली, एजेंसी। नए आईटी नियम 2021 के तहत सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म की मासिक अनुपालन रिपोर्ट के अनुसार, 1 सितंबर से 30 सितंबर के बीच कंपनी ने 8,584,000 अकाउंट पर प्रतिबंध लगाया और इनमें से 1,658,000 अकाउंट पर उपयोगकर्ताओं की ओर से कोई रिपोर्ट आने से पहले ही प्रतिबंध लगा दिया गया।

भारत में 600 मिलियन से ज़्यादा उपयोगकर्ताओं वाले लोकप्रिय मोबाइल मैसेजिंग प्लेटफ़ॉर्म को देश से 8,161 शिकायतें मिलीं और 'कार्रवाई' के रिकॉर्ड 97 थे। 'कार्रवाई' का मतलब है वे शिकायतें जिनमें वाट्सएप ने सुधारात्मक कार्रवाई की। अपनी मासिक अनुपालन रिपोर्ट के अनुसार, वाट्सएप को देश में शिकायत अपीलीय समिति से दो आदेश भी मिले और उसने दोनों का अनुपालन किया। कंपनी ने कहा, 'हम अपने काम में पारदर्शिता बनाए रखेंगे और भविष्य की रिपोर्टों में अपने प्रयासों के बारे में जानकारी शामिल करेंगे।' इन प्रयासों की देखरेख के लिए इसमें इंजीनियरों, डेटा वैज्ञानिकों, विश्लेषकों, शोधकर्ताओं और कानून प्रवर्तन, ऑनलाइन सुरक्षा और प्रौद्योगिकी विकास के विशेषज्ञों की एक टीम है। 'हम उपयोगकर्ताओं को संपर्कों को ब्लॉक करने और ऐप के अंदर से समस्याग्रस्त सामग्री और संपर्कों की रिपोर्ट करने में सक्षम बनाते हैं। हम उपयोगकर्ता की प्रतिक्रिया पर पूरा ध्यान देते हैं और गलत सूचना को रोकने, साइबर सुरक्षा को बढ़ावा देने और चुनाव की अखंडता को बनाए रखने में विशेषज्ञों के साथ जुड़ते हैं,' वाट्सएप ने कहा।

बॉलीवुड के नामी कलाकार रखते हैं अलग-अलग किस्म के शौक, जानकर दर्शक करेंगे तारीफ

बॉलीवुड के कलाकार अभिनय को अपना पैशन मानते हैं, लेकिन इसके अलावा भी उनके कुछ खास किस्म के शौक भी हैं। यह शौक उनके व्यक्तित्व के बारे में भी काफी कुछ बताते हैं।

बॉलीवुड के कलाकार अभिनय को अपना पैशन मानते हैं, लेकिन इसके अलावा भी उनके कुछ खास किस्म के शौक भी हैं। यह शौक उनके व्यक्तित्व के बारे में भी काफी कुछ बताते हैं।

काजोल

कुछ समय पहले फिल्म 'दो पत्ती' के प्रमोशन के दौरान काजोल ने बातचीत की। इस बातचीत में उन्होंने किताबें पढ़ने के अपने शौक के बारे में बताया। काजोल बताती हैं कि वह एयरपोर्ट पर बैठे हुए जब फ्लाइट का इंतजार करती हैं, तो अपना समय खराब नहीं करतीं, इस दौरान वह किताबें पढ़ती हैं। जब भी काजोल को समय मिलता है, वह किताबें ही पढ़ना पसंद करती हैं। सिर्फ काजोल ही नहीं कई और बॉलीवुड कलाकार भी हैं, जो अपने खाली समय में कोई ना कोई शौक पूरा करते हैं। ऐसे ही चार कलाकारों और उनके शौक के बारे में जानिए।

शाहरुख खान

शाहरुख नई जानकारियों के प्रति काफी जागरूक रहते हैं, उन्हें नई चीजें जानने का बहुत शौक है। शाहरुख खान के शौक की बात की जाए, तो उन्हें वीडियो गेम पसंद है। वह अपने खाली समय में वीडियो गेम खेलना पसंद करते हैं, उनके घर में एक कमरा पूरी तरह से वीडियो गेम के लिए बनाया गया है।

सलमान खान

सलमान खान को अभिनय के अलावा चित्रकारी यानी पेंटिंग करने का बहुत शौक है। वह अपनी बनाई हुई पेंटिंग को सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए अपने फैंस से साझा भी करते हैं। सलमान की पेंटिंग की बात की जाए तो वह कम समय में बहुत ही अच्छी चित्रकारी करते हैं।

अक्षय कुमार

खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय के बारे में सभी शुरुआत से जानते हैं कि वह मार्शल आर्ट में ट्रेंड हैं, इसलिए यह तो उनका शौक है ही। इसके अलावा अपने खाली समय में अक्षय कुकिंग करना भी पसंद करते हैं। इस बारे में एक बार उनकी पत्नी ट्विंकल ने कहा था कि अक्षय घर में खाना बनाते हैं और मैं खाना खाती हूं। अक्षय फिल्मों मैं आने से पहले बतौर शेफ काम कर चुके हैं, इसलिए वह इतना अच्छा खाना बना लेते हैं।

ऋतिक रोशन

बड़े से बड़ा फोटोग्राफर ऋतिक को अपने कैमरे में कैद करना चाहता है, वहीं ऋतिक को भी फोटोग्राफी का शौक है। वह तरह-तरह की फोटो क्लिक करते हैं। खासकर उन्हें अपने बच्चों की फोटो लेने में बहुत आनंद आता है।

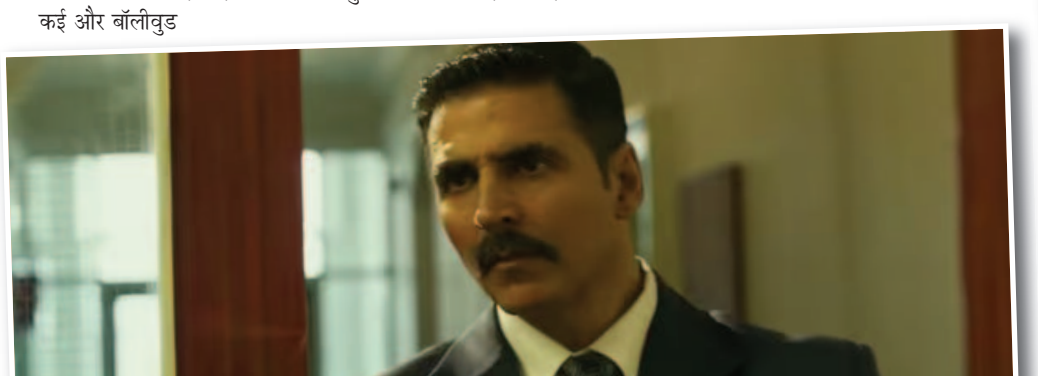

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com